



आजम खान को जमानत...लेकिन बाहर आना मुश्किल,बेटा जेल से छूटेगा,2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड



नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में यह फैसला सुनाया। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि,आजम अभी जेल से बाहर आयेगे या नहीं,यह साफ नहीं है। वजह,आजम के खिलाफ अभी 2 केस पेंडिंग हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। दूसरा एक मामला 10 सितंबर का है,जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था। अगर इन मामलों में पुलिस वारंट-बी नहीं लेती है, तो आजम जेल से बाहर आ सकते हैं। आजम को बेटे अब्दुल्ला के 2 पैन कार्ड मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोषी ठहराया था। 17 नवंबर, 2025 को कोर्ट ने दोनों को 7-7 साल की सजा सुनाई थी। 5 मई,2026 को सरकार के वकील ने सजा बढ़ाने के लिए रामपुर की अपर कोर्ट में अपील दाखिल की थी। इसके बाद कोर्ट ने 23 मई,2026 को आजम की सजा को 3 साल बढ़ाकर 10 साल कर दिया था।

कैंसर का 80 हजार का इंजेक्शन,7 हजार में मिलेगा 543 दवाओं के दाम घटे,नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी....

नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73% दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70% से ज्यादा और 50 में 80% से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90% से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमेटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटाकर 7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 से घटकर 2,720 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को एमआरपी के 30% तक सीमित किया है।



कुछ महंगी दवाओं के दाम कम नहीं हुए...

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीटूड्वा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रेसो, टेसेंट्रिक, खजालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं।

दवाओं पर ज्यादा मुनाफे के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में पिछली 3 सुनवाई

कैंसर और अन्य बीमारियों की दवाओं पर ज्यादा मुनाफा वसूलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। हाल ही में कोर्ट में 13 हजार के इंजेक्शन को 1 लाख से ज्यादा में बेचने का मामला भी उठा था।

27 अक्टूबर : पूर सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नजरों के सामने यह सब हो रहा है,व्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने देना चाहिए। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

12 अक्टूबर : एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर भी सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन एमआरपी के 30% तक सीमित करने पर केंद्र के जवाब को मुश्किल से कुछ खुश होने लायक बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि सरकार दूसरी दवाओं के ट्रेड मार्जिन की सीमा तय क्यों नहीं कर सकती। अस्यतालों के कैंसर दवाओं पर भारी मुनाफा जोड़े जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आलोचना का सामना कर चुके केंद्र ने कहा था कि उसने एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन एमआरपी के 30% तक सीमित करने का अहम फैसला लिया है। केंद्र के मुताबिक,इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

चक्रवात अर्नब का कहर....ओडिशा के गंजाम में 300 गांव बाढ़ में घिरे,कई ट्रेनें रद्द,एमपी में भारी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर/अमरावती,29 अक्टूबर 2026। चक्रवात अर्नब के कारण ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। ओडिशा के गंजाम जिले में करीब 300 गांव पानी से घिर गए हैं। राज्य सरकार प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को हवाई मार्ग से निकालने की तैयारी कर रही है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने,बिजली आपूर्ति बहाल करने और प्रभावित लोगों को जल्द मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। ओडिशा की मुख्य सचिव अनु र्ग ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और ओडिशा आपदा त्वरित कार्यवाई बल की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान चला रही हैं। हालांकि, लगातार बारिश और बादल नीचे होने के कारण हेलीकॉप्टर से लोगों को निकालने में परेशानी आ सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के संपर्क में है। पहले चरण में करीब 120 लोगों को हवाई मार्ग से निकालने की योजना बनाई गई है। भारतीय तटरक्षक बल इससे लिए हेलीकॉप्टर और जरूरी सहायता उपलब्ध करायगा।



आंध्र प्रदेश में विजली बहाली और मुआवजे पर जोर

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जिला कलेक्टर और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस कर चक्रवात से हुए नुकसान की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल की जाए और नुकसान का आकलन कर लोगों को जल्द मुआवजा दिया जाए। सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नायडू ने कहा, अधिकारियों को चक्रवात से प्रभावित सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करनी चाहिए और प्रभावित लोगों को मुआवजा देने की प्रक्रिया तेज करनी चाहिए। स्थिति सामान्य होने तक राहत और बहाली के काम जारी रहने चाहिए। 'अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि चक्रवात से हुए नुकसान की शुरुआती रिपोर्ट गुरुवार को सौंपी जाएगी। फसलों को हुए नुकसान का आकलन अलग से किया जाएगा, क्योंकि इस संबंध में मुआवजे का सरकारी आदेश पहले ही जारी किया जा चुका है। नायडू ने सड़कों पर गिरे पेड़ों को तत्काल हटाने और जमा मलबे की सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने तालाबों और नहरों के तटबंध टूटने की आशंका को देखते हुए एहतियाती कदम उठाने पर भी जोर दिया।

प्रभावित हैं। पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण ऋषिकुल्या नदी उफान पर है। इससे आसपास के कस्बों और गांवों में

पानी भर गया है। आस्का में नदी का जलस्तर खरों के निशान के करीब पहुंच गया है। दिगपहंड़ी ब्लॉक में भी लगातार बारिश से

बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मुख्य सचिव अनु र्ग ने कहा कि बारिश कम होने पर बचाव दल प्रभावित लोगों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। गंजाम में ओडीआरएएफ की एक अतिरिक्त टीम भेजी गई है और एक वरिष्ठ अधिकारी बचाव तथा निकासी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। ओडिशा के परिवहन मंत्री विभूति भूषण जेना ने बताया कि पानी से घिरे ज्यादातर लोग सनाखेमुंडी और आस्का ब्लॉक के गांवों में फंसे हैं।

फसलों और बागवानी को नुकसान : मुख्यमंत्री ने बताया कि अल नीनो के प्रभाव से रायलसीमा क्षेत्र में मुश्किलें बढ़ रही हैं, जबकि उत्तर आंध्र, तटीय जिलों और गोदावरी नदी क्षेत्र में चक्रवात का असर देखने को मिला है। इन इलाकों में किसानों की खड़ी फसलों और नारियल के पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। सीएम नायडू ने कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से जलभराव से प्रभावित फसलों को बचाने के उपाय तलाशने को कहा। उन्होंने उखड़े नारियल के पेड़ों और अन्य बागवानी फसलों को दोबारा लगाने की संभावनाओं का आकलन करने तथा प्रभावित किसानों की मदद के लिए योजनाएं लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने नुकसान का आकलन करने और प्रभावित लोगों तक समय पर राहत पहुंचाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया।



यूपी चुनाव से पहले भाजपा का मंथन : नितिन नवीन ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ की बैठक,संगठन के कामकाज पर चर्चा

नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की। इसमें संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों और आने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष,स्मृति इंगनी,विनोद तावड़े और सुनील बंसल समेत अन्य नेता शामिल हुए। इस बैठक के बाद नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इससे पहले बुधवार को नितिन नवीन ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत दिल्ली के चांदनी चौक

में एक मार्च का नेतृत्व किया। यह मार्च ऐसे समय में निकाला गया,जब एसआईआर को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने 'वोट चोरी' के आरोप लगाए हैं। सत्ताधारी पार्टी ने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करके विपक्ष के अभियान का जवाब देने की कोशिश की है।

इसी प्रयास के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को चांदनी चौक में मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस-आई' (जिसे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने जनवरी 1978 में बनाया था) का मतलब 'कांग्रेस-इंदिरा' नहीं, बल्कि 'इटैलियन कांग्रेस' है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की चुनावी हार को नागरिकों द्वारा किया गया शुद्धिकरण करार दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा...100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन की सप्लाई कैसे होगी केंद्र बोला...बड़े पैमाने पर बदलाव करना होगा,4 दिन पहले ही सरकार ने मंजूरी दी



नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से पूछा कि 100% एथेनॉल वाले ईंधन की सप्लाई कैसे होगी। कोर्ट एथेनॉल सप्लाई ईयर 2025-26 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। बेंच ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए यह सवाल पूछा। 26 अक्टूबर को सड़क परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में बदलाव का नोटिफिकेशन जारी किया था। इससे श्रा100 यानी लगभग शुद्ध एथेनॉल पर चलने वाली प्लेक्स-पयूल गाड़ियों को मंजूरी मिली। 27 अक्टूबर को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि पेट्रोल में एथेनॉल 20% से ज्यादा बढ़ाने की केंद्र की कोई तत्काल योजना नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदेश और जस्टिस प्रसन्ना बी चराले की बेंच ने कहा, 'हमने कुछ अखबारों में पढ़ा कि 100% एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को मंजूरी दी गई है।' बेंच ने पूछा,'सैद्धांतिक तौर पर हम जानना चाहते हैं कि अगर 100% एथेनॉल वाली गाड़ियों की अनुमति दी गई है तो इसकी सप्लाई कैसे की जाएगी?' अर्दनीं जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'इसके लिए मैनुफैक्चरिंग व्यवस्था में बड़े पैमाने पर बदलाव करना होगा।'

कोर्ट बोला...किस्सन कैसे संभवत बनेगा,इस पर क्या सोचते हैं...

सुनवाई के दौरान बेंच ने देश के किसानों को सशक्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि बड़े सार्वजनिक हित और पर्यावरण के नजरिए से भी इस मुद्दे पर विचार होना चाहिए। जस्टिस सुंदेश ने कहा, 'तीसरा मुद्दा देश की बड़ी आबादी यानी किसानों के नजरिए से सबसे महत्वपूर्ण है। हमें किसानों को सशक्त बनाने का तरीका देखना होगा। इस पहलू को कोई उजागर नहीं कर रहा।' बेंच ने कहा,'हमें उस आम आदमी को सशक्त बनाना है,जो अब भी गांवों में रहता है।' मामले में एक वकील ने कहा कि एथेनॉल को बढ़ावा देने से किसानों को किसी न किसी रूप में मदद मिलेगी।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ से और मजबूत हुई भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई : राजनाथ भारत अपने साझेदारों के साथ सुरक्षित,स्थिर और शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। फिलीपींस के सेबू में 13वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई सिर्फ थ्योरी वाली नहीं है, बल्कि दशकों के जमीनी अनुभव और सफल ऑपरेशन से और मजबूत हुई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवादी ढांचे को खत्म करके दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्का इरादा दिखाया। भारत अपने साझेदारों के साथ यह अनुभव साझा करके सुरक्षित,स्थिर और शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में शामिल राजनाथ सिंह ने आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के सामने कहा कि भारत और आसियान की युवा आबादी हमारी सबसे



बड़ी ताकत है। इसी सामर्थ्य को नई दिशा देने के लिए भारत ने मजबूत 'डिफेंस यूथ बिज' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है, जो पीपल-टू-पीपल कनेक्टिविटी, डिजिटल इनोवेशन और कैपेसिटी-बिल्डिंग को बढ़ावा देगा। युवाओं को सशक्त बनाकर

साझा जिम्मेदारी, आपसी विश्वास और सहयोग के महत्व को दर्शाती है। भारत खुला,समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आसियान की केंद्रीय भूमिका और भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण है। भारत ने दशकों से भारतीय नौसेना के माध्यम से वैश्विक समुद्री व्यापार और महत्वपूर्ण समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। एक विश्वसनीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत नेविगेशन की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के सम्मान के साथ सुरक्षित एवं स्थिर इंडो-पैसिफिक के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के सभी रूपों के उन्मूलन और सामूहिक क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने

कहा कि आतंकवाद-रोधी अभियानों में भारत का व्यापक अनुभव केवल कक्षा तक सीमित सैद्धांतिक ज्ञान नहीं है, बल्कि सीमा पार की जटिल सुरक्षा चुनौतियों का दशकों तक सीधे सामना करके धरातल पर अर्जित किया गया अनुभव है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रत्येक रणनीति को वास्तविक परिस्थितियों में संचालित अभियानों के दौरान परखा गया है,उसे और अधिक प्रभावी बनाया गया है तथा उसकी उपयोगिता सिद्ध हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के इस सक्रिय और धरातल पर परखे गए सिद्धांत का निर्णायक प्रदर्शन 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुआ, जब भारत ने आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त किया और राज्य प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध किसी भी प्रकार की समझौता न करने वाली स्पष्ट सीमा निर्धारित की।

सीबीएसई 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 5 सबजेक्ट अनिवार्य स्किल पेपर से पास होने का मौका,एआई मॉड्यूल स्टडी स्कीम में शामिल नहीं होंगे

नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने गुरुवार को 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा का पैटर्न बताया। इसमें छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा में 5 सबजेक्ट अनिवार्य होंगे। इसके अलावा वे एक अतिरिक्त स्किल सबजेक्ट चुन सकेंगे। इस सबजेक्ट से मैथ, साइंस या सोशल साइंस में फेल होने पर भी छात्रों को परीक्षा पास करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड ने यह भी बताया कि इंटरडिसिप्लिनरी एरिया और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग व



आईफिशियल इंटेलिजेंस के मॉड्यूल स्टडी स्कीम में शामिल नहीं होंगे। यह बदलाव उन छात्रों पर लागू होगा,जो 2026-27 में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और 2028 में

10वीं की बोर्ड परीक्षा देंगे। इससे मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 2028 में छात्रों के लिए एजुकेशनल

अनिवार्य होगा : सीबीएसई की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) प्रज्ञा एम. सिंह ने बताया कि 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए वोकेशनल एजुकेशन अनिवार्य होगा। इसके लिए छात्र कौशल विकास सबजेक्ट या बोर्ड के 22 स्किल सबजेक्ट्स में से कोई एक चुन सकेंगे। इसके लिए छात्रों के पास दो ऑप्शन होंगे। वे स्कूल में आंतरिक मूल्यांकन दे सकते हैं या बोर्ड परीक्षा देकर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्किल सर्टिफिकेट हासिल कर सकते हैं।

ममता बनर्जी ने विपक्ष से किया भाजपा के खिलाफ एकजुटता का आह्वान

कोलकाता,29 अक्टूबर 2026। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तुणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने 'वोट चोरी' के खिलाफ आगामी एक नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन की एकजुट महारैली का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई प्रत्येक भारतीय के मतदान और चुनाव करने के अधिकार की रक्षा के लिए है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार दोपहर 12:30 बजे विपक्षी



गठबंधन रामलीला मैदान में एकजुटता प्रदर्शित करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदान को लेकर उठी चिंताओं और कथित 'वोट लूट' का जवाब दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस विषय पर खामोशी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है।



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया

सीतापुर को 28 करोड़ की फोरलेन सड़क | पुलिस आवासों का भी लोकार्पण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

जनजातीय समाज के महान जननायक, प्रख्यात अभियंता और पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें विशेष सम्मान दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा का नाम बदलकर 'अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर' करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रायपुर स्थित निवास से वचुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर सीतापुर में 28 करोड़ रूप से अधिक की लागत से बनने वाली 3.82 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क का भूमिपूजन और पुलिस विभाग के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण भी किया गया। अंबिकापुर के कलाकेंद्र में आयोजित जनशताब्दी समारोह में

जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और उरांव समाज के प्रतिनिधियों ने बाबा कार्तिक उरांव को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का जीवन शिक्षा, संघर्ष, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया और जनजातीय समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति तथा पहचान के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभियंता के नाम पर तकनीकी संस्थान, युवाओं को मिलेगी प्रेरणा : मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने सीमित शैक्षणिक अवसरों के दौर में उच्च शिक्षा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने अपनी शिक्षा और प्रतिभा का उपयोग केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं, बल्कि समाज के उत्थान के लिए किया। संसद में भी उन्होंने जनजातीय समाज के अधिकारों और हितों को

प्रतिमा के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचेगी विरासत

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय महापुरुषों की प्रतिमाएं केवल स्मारक नहीं, बल्कि उनके विचारों और संघर्षों को याद रखने का माध्यम हैं। बाबा कार्तिक उरांव ने शिक्षा, सामाजिक संगठन और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनकी विरासत नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पहले प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया था जो अब साकार हुआ है। इस कार्य के लिए उन्होंने अंबिकापुर की महापौर मंजूषा भगत, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरवासियों के प्रयासों की सराहना की। एक दिन पहले ही जनजातीय नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का उनके गृहग्राम चिरई जसवंतपुर में अनावरण किया गया था।

प्रमुखता से उठाया। मुख्यमंत्री के अनुसार, जनजातीय समाज और क्षेत्रीय सांसद चिंतामणि महाराज ने इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर रखने का आग्रह किया था। सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए नामकरण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान तकनीकी शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को बाबा कार्तिक उरांव के संघर्ष, उपलब्धियों और समाज के प्रति समर्पण से परिचित कराने का माध्यम बनेगा।

सीतापुर में फोरलेन सड़क पर खर्च होंगे 28 करोड़ से अधिक : सीतापुर क्षेत्र को भी इस अवसर पर बड़ी विकास परियोजना की सीमा मिली। मुख्यमंत्री ने सोनतवाई से सूर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 3.82

किलोमीटर हिस्से को फोरलेन बनाने के कार्य का भूमिपूजन किया। इस परियोजना पर 28 करोड़ रूप से अधिक खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण से सीतापुर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सीतापुर आने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से स्थानीय बाजारों और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

पुलिसकर्मियों के लिए नए आवासों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित महिला एनजीओ मेस भवन सहित पुलिस आवासीय भवनों का लोकार्पण किया। इन्हें उदयपुर में 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास और 12 प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक आवास तथा सीतापुर थाने में

12 प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक आवास शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारी और जवान कठिन परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्हें बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। नए भवनों से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

बस्तर में शांति और विकास पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलताओं से बस्तर में शांति, विश्वास और विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं। सरकार का प्रयास है कि दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा, मेहनती नागरिकों और युवाओं की प्रतिभा के बल पर

प्रदेश विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में जनजातीय विकास मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी बाबा कार्तिक उरांव के योगदान को याद किया। सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रतिमा अनावरण, इंजीनियरिंग कॉलेज के नामकरण की घोषणा और सीतापुर को मिली सड़क की सीमागत के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सामग्री विधायक उद्देश्वरी पैकरा, महापौर मंजूषा भगत, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सरगुजा संभागयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, उरांव समाज के अध्यक्ष आजाद भगत सहित समाज के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, सिर में आई थी गंभीर चोट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र में बुधवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोट आई थी। उसे उपचार के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुटा निवासी मिथलेश दास (23) पिता नैहर दास बुधवार को अपने दोस्त के साथ जग्गा मंदिर जाने निकला था। दोनों अलग-अलग बाइक से थे। रात करीब 9 बजे मिथलेश की बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। इसके बाद वह पेट्रोल भरवाने गया और वापस लौट रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर में मिथलेश के सिर पर गंभीर चोट आई। उसकी हालत को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। यहां आईसीयू में भर्ती करने के बाद चिकित्सकों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

बस-बाइक की भिड़त में दो युवकों की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
कुसुमी थाना क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर के पास गुरुवार शाम बस और बाइक की भिड़त में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा शाम करीब 5.20 बजे हुआ। मृतकों की पहचान ग्राम कांची निवासी ननसु राम बरगाह (18), पिता रमेश राम और कुसुमी क्षेत्र निवासी राजू राम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक क्रमशः सीजी 30 एफ 7908 से किसी काम से कुसुमी गए थे। शाम को वे वापस अपने गांव लौट रहे थे।

अंबिकापुर में खुला किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी का एक्सक्लूसिव शोरूम

छत्तीसगढ़ में कंपनी का सातवां शोरूम शुरू, उद्घाटन में कैबिनेट मंत्री अजय अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और घनश्याम ढोलकिया हुए शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के क्षेत्र में अपनी पहचान रखने वाले किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने अंबिकापुर में अपना एक्सक्लूसिव शोरूम शुरू किया है। बनारस रोड स्थित अंबिका पेट्रोल पंप के पास खुले इस शोरूम के साथ छत्तीसगढ़ में कंपनी के एक्सक्लूसिव शोरूम की संख्या सात हो गई है। भव्य उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री अजय अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और हरि कृष्ण ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया शामिल हुए। शोरूम के शुभारंभ को कंपनी के रिटेल विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कंपनी का कहना है कि इस विस्तार के जरिए वह छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक ग्राहकों तक डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के अपने कलेक्शन पहुंचाना चाहती है।

हरि कृष्ण ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि अंबिकापुर में शोरूम खुलने से छत्तीसगढ़ में किसना की मौजूदगी और मजबूत होगी। कंपनी का लक्ष्य अपने 'हर घर किसना' विजन के तहत भारतीय परिवारों तक डायमंड ज्वेलरी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कंपनी स्थानीय ग्राहकों के लोहारों और जीवन के खास अवसरों का हिस्सा बनना चाहती है।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि दिवाली के अवसर पर ज्वेलरी की खरीदारी और उपहार देने का विशेष महत्व होता है। ऐसे में अंबिकापुर के ग्राहकों के लिए कंपनी के विविध कलेक्शन और फेडरैट ऑफर्स उपलब्ध कराना खुशी की बात है। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी परंपराओं, लोहारों और जीवन के नए पड़ावों के लिए ज्वेलरी खरीदने का बेहतर अनुभव देना है।



परिवारों तक डायमंड ज्वेलरी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कंपनी स्थानीय ग्राहकों के लोहारों और जीवन के खास अवसरों का हिस्सा बनना चाहती है।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि दिवाली के अवसर पर ज्वेलरी की खरीदारी और उपहार देने का विशेष महत्व होता है। ऐसे में अंबिकापुर के ग्राहकों के लिए कंपनी के विविध कलेक्शन और फेडरैट ऑफर्स उपलब्ध कराना खुशी की बात है। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी परंपराओं, लोहारों और जीवन के नए पड़ावों के लिए ज्वेलरी खरीदने का बेहतर अनुभव देना है।



शोरूम के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर राहुल गर्ग और कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि अंबिकापुर में किसना का शोरूम शुरू करना उनके लिए खुशी और गर्व का अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां उपलब्ध डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के विविध कलेक्शन ग्राहकों को पसंद आएंगे और शोरूम लोहारों, उपहारों तथा अन्य खास अवसरों पर खरीदारी के लिए पसंदीदा केंद्र बनेगा।

उद्घाटन पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर : शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर कंपनी ने ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। इनमें

सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ी पहल

कंपनी ने शोरूम के शुभारंभ के साथ सामाजिक जिम्मेदारी के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और रक्तदान शिविर जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कंपनी के मुताबिक, इन पहलों का उद्देश्य सामुदायिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।

नेत्रदान के लिए बिलासपुर पर निर्भर सरगुजा, मेडिकल कॉलेज में आई बैंक की मांग फिर उठी

कैलाश मिश्रा ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन, स्थानीय स्तर पर सुविधा विकसित करने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा में नेत्रदान के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता के बावजूद लंबे समय तक स्थानीय स्तर पर आई बैंक की सुविधा का अभाव चिंता का विषय रहा है। नेत्रदान करने के लिए आगे आने वाले परिवारों की इच्छा को समय पर उपयोग में लाने के लिए जरूरी व्यवस्था उपलब्ध होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी मुद्दे को लेकर कैलाश मिश्रा ने कलेक्टर को आवेदन देकर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आई बैंक की स्थापना करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि अंबिकापुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लगभग 10



वर्ष होने जा रहे हैं, लेकिन नेत्रदान से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया है। सरगुजा जिले में कई सेवाभावी लोग मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए आगे आते रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर आई बैंक की सुविधा नहीं होने से दान किए गए नेत्रों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर

बिलासपुर भेजने की व्यवस्था करनी पड़ती है। इससे समय पर परिवहन और समन्वय की चुनौती भी बनी रहती है। कैलाश मिश्रा ने अपने आवेदन में कहा है कि आई बैंक की स्थापना की मांग पिछले कई वर्षों से की जा रही है, लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य को अब तक अपेक्षित गति नहीं मिल सकी है। उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया है कि जनहित और नेत्रदान करने वाले लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में संचालित मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर में आई बैंक की स्थापना के लिए आवश्यक पहल की जाए।

नेत्रदान की भावना को मिले बेहतर व्यवस्था का साथ : नेत्रदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लौटाने

का माध्यम बन सकता है। ऐसे में दानदाताओं और उनके परिजनों की इच्छा को सार्थक बनाने के लिए समयबद्ध व्यवस्था, प्रशिक्षित टीम और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता अहम है। स्थानीय स्तर पर आई बैंक की सुविधा विकसित होने से नेत्रदान की प्रक्रिया को बेहतर समन्वय मिल सकता है और क्षेत्र में नेत्रदान के प्रति लोगों का समाचार के अनुसार, सरगुजा में आई बैंक की सुविधा विकसित करने के लिए जिला अस्पताल के नेत्र विभाग में जरूरी संसाधनों की व्यवस्था हेतु जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से 61 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी।

बेमौसम बारिश से धान की फसल पर संकट, कटाई के बीच खेतों में भरा पानी

सरगुजा संभाग में अगले 48 घंटे अरिज अलर्ट, तेज हवा से फसल गिरने और मौसम की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

धान की कटाई के ऐन वक्त पर बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव से सरगुजा संभाग में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। तेज हवा के साथ हुई बारिश से खेतों में खड़ी और काटकर रखी गई धान की फसल प्रभावित हुई है। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में कई किसानों की कटी हुई फसल खेतों में भीग गई है, जबकि पककर तैयार धान की फसल तेज हवा के कारण जमीन पर गिर गई है। किसानों ने प्रशासन से फसल क्षति का आकलन कराकर मुआवजा देने की मांग की है। अंबिकापुर में पिछले दो दिनों के

दौरान 27 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश और तेज हवा से तापमान में गिरावट आई है और मौसम में ठंडक बढ़ गई है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए शासन के निर्देश पर शासकीय और अशासकीय स्कूलों में छुट्टी रही। किसानों के अनुसार, धान की फसल पकने की स्थिति में थी और कई खेतों में कटाई भी शुरू हो चुकी थी। ऐसे में अचानक हुई बारिश से खेतों में पानी भर गया है। कटी हुई फसल भीगने से धान की गुणवत्ता खराब होने, दाने सड़ने और अंकुरित होने की आशंका है। वहीं, खेतों में खड़ी फसल गिरने से कटाई और मिंजई का काम प्रभावित हो सकता है।



धान खरीदी से पहले सूरजपुर में 'बड़ी सर्जरी' होगी या फिर पुराने घोटालों पर फिर पर्दा ?

रेना जमील
कलेक्टर, सूरजपुर

25 अक्टूबर की बैठक में कलेक्टर ने उठाए पुरानी गड़बड़ियों के सवाल !

समिति प्रबंधक, केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटरों की बैठक एवं प्रशिक्षण

धान उपार्जन केन्द्र शिवप्रसादनगर

32,838 किंचंटल कहां गया ?

5,552 किंचंटल किसने गायब किया ?

खाद्य अधिकारी का बचाव !

- भौतिक सत्यापन में धान कम क्यों मिला ?
- जवाब : गणना में त्रुटि हुई थी !
- क्या हर जगह गणना गलत हुई ?
- कलेक्टर के सवाल पर खाद्य अधिकारी निशब्द !
- जांच दल को अयोग्य और अनपहचानित करने की कोशिश ?
- क्या गणना में ही गलती थी या मिलीभगत ?

शिवप्रसादनगर मामला

- ऑनलाइन रिकॉर्ड : 1,53,034 बोरी
- भौतिक सत्यापन : 1,39,154 बोरी
- अंतर : 13,880 बोरी (5,552 किंचंटल)
- निलंबन आदेश : 22 जनवरी 2026
- साधना कुशवाहा की भूमिका सवालों में

सावरावां मामला

- ऑनलाइन रिकॉर्ड : 65,813.60 किंचंटल
- भौतिक सत्यापन : 32,975.60 किंचंटल
- अंतर : 32,838 किंचंटल (82,095 बोरी)
- अनुमानित मूल्य : 10.17 करोड़ रुपये
- खाली बारदानों में भी बड़ा अंतर

अब भी अनुत्तरित सवाल

- क्या साधना की बहाली हो गई ? आदेश कहां है ?
- रिजवान पर FIR दर्ज हुई या नहीं ?
- क्या फिर इन्हीं जिम्मेदारी मिलेगी ?
- क्या 2026-27 में धान खरीदी में बड़ी सर्जरी होगी ?
- किसे बचाया जा रहा है और क्यों ?
- क्या एक बार फिर धान कम मिला तो गणना गलत बताई जाएगी ?

कलेक्टर के आने से पहले रिजवान की 'खानगी', पहुंची रेना जमील तो पूछा-सावरावां का जिम्मेदार कहां है?

धान की कमी पर सवालों का डर या महज इतोफाक ? कलेक्टर की बैठक से पहले निकल गए निलंबित प्रभारी रिजवान !

32,838 किंचंटल धान का हिसाब बाकी, कलेक्टर के सवालों से पहले बैठक छोड़ गए रिजवान ! सावरावां में धान कम, एफआईआर के निर्देश अधूरे !

धान खरीदी की बैठक या पुराने हिसाब की परीक्षा ? कलेक्टर के पहुंचने से पहले निकल गए रिजवान !

25 अक्टूबर की बैठक में पिछले सत्र की गड़बड़ियों पर चर्चा होने की सूत्रों से जानकारी

खाद्य अधिकारी की सफाई पर कलेक्टर की कथित नाराजगी—जांच दल की गणना गलत थी तो जिम्मेदारी किसकी, और सही थी तो कार्रवाई कहां अटकी ?

धान खरीदी से पहले पुराने हिसाब की परीक्षा, जांच में कमी मिली तो गणना पर सवाल क्यों, गणना गलत थी तो प्रमाण कहां ?

निलंबन, एफआईआर और जिम्मेदारियों के निर्धारण पर प्रशासन से जवाब का इंतजार

—ओंकार गायदेव—

सूरजपुर, 29 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)। धान खरीदी का नया सत्र 15 नवंबर से शुरू होने की तैयारी है, प्रशासन समिति प्रबंधकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को प्रशिक्षण देकर खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित करने में जुटा है, लेकिन नई खरीदी की तैयारियों के बीच पिछले सत्र के वे मामले फिर सवालों के घेरे में हैं, जिनमें भौतिक सत्यापन के दौरान हजारों किंचंटल धान की कमी दर्ज हुई थी, सावरावां में 32,838 किंचंटल और शिवप्रसादनगर में 5,552 किंचंटल का अंतर जांच प्रतिवेदनों में दर्ज है, एक मामले में खरीदी प्रभारी के विरुद्ध एफआईआर संबंधी कार्रवाई के निर्देश जारी हुए, जबकि दूसरे में निलंबन का आदेश सामने आया, अब सवाल यह है कि इन मामलों की कार्रवाई कहां तक पहुंची और क्या नई खरीदी से पहले पुराने हिसाब का पूरा जवाब मिलेगा ?

रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर सूरजपुर रेना जमील की मौजूदगी में समिति प्रबंधकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया, बैठक में कई धान खरीदी केंद्रों के ऑपरेटर, समिति प्रबंधक और खरीदी प्रभारी मौजूद थे, बैठक में उपस्थित लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले सत्र में केंद्रों पर दर्ज धान की कमी और संबंधित कार्रवाई के मामलों पर चर्चा हुई, इसी दौरान सावरावां के निलंबित खरीदी प्रभारी रिजवान अंसारी और शिवप्रसादनगर की खरीदी प्रभारी साधना कुशवाहा के मामले भी चर्चा में आए, इस बैठक का सबसे अहम घटनाक्रम सावरावां के रिजवान अंसारी से जुड़ा बताया जा रहा है, बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार, रिजवान अंसारी बैठक में पहुंचे थे, लेकिन कलेक्टर रेना जमील के आने से पिछले उन्हें कथित तौर पर यह जानकारी मिल गई कि पिछले सत्र में धान की कमी और उनके विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में सवाल पूछे जा सकते हैं तथा उन्हें फटकार भी लग सकती है, सूत्रों का कहना है कि इस जानकारी के बाद वे बैठक से उल्टे पांव बाहर निकल गए, इसके बाद जब कलेक्टर रेना जमील बैठक में पहुंचीं, तो चर्चा की शुरुआत सावरावां केंद्र के मामले से हुई, सूत्रों के अनुसार, कलेक्टर ने रिजवान अंसारी के बारे में पूछा, लेकिन उस समय वे बैठक में मौजूद नहीं थे, बैठक में उपस्थित कई लोगों से मिली जानकारी के आधार पर यह घटनाक्रम सामने आया है, सोचों की पहचान उनकी गोपनीयता बनाए रखने के लिए सार्वजनिक नहीं की जा रही है, यदि संभावित सवालों की भनक लगने के बाद रिजवान बैठक से निकले, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन्हें पहले से सूचना किसने दी और वे अपना पक्ष रखने के लिए बैठक में क्यों नहीं रुके ? जिस केंद्र के स्टॉक में 32,838 किंचंटल का अंतर दर्ज हुआ और जहां एफआईआर संबंधी कार्रवाई के निर्देश जारी हुए, उसके खरीदी प्रभारी की अनुपस्थिति ने पुराने मामले की जवाबदेही पर एफ सवाल खड़े कर दिए हैं, इस घटनाक्रम पर रिजवान अंसारी और संबंधित अधिकारियों का पक्ष भी महत्वपूर्ण होगा।



सावरावां में 32,838 किंचंटल का अंतर, अनुमानित मूल्य 10.17 करोड़ रुपये— सावरावां धान उपार्जन केंद्र की जांच रिपोर्ट के अनुसार, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में ऑनलाइन रिकॉर्ड में 65,813.60 किंचंटल धान दर्ज था, एक फरवरी 2026 को किए गए भौतिक सत्यापन में 32,975.60 किंचंटल धान उपलब्ध पाया गया, इस तरह दोनों आंकड़ों के बीच 32,838 किंचंटल का अंतर दर्ज किया गया, जिसे रिपोर्ट में 82,095 बोरीयों के बराबर बताया गया है, यदि 3,100 रुपये प्रति किंचंटल की दर से गणना की जाए, तो इस अंतर का अनुमानित मूल्य 10 करोड़ 17 लाख 97 हजार 800 रुपये होता है, यह दर्ज कमी का अनुमानित मूल्य है, फिर भी, इतनी बड़ी मात्रा का अंतर सामने आने के बाद उसका अंतिम हिसाब और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है, जांच प्रतिवेदन में खाली बारदानों की संख्या में भी अंतर दर्ज है, ऑनलाइन रिकॉर्ड में 32,789 खाली बारदाने बताए गए, जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान 40,750 खाली बारदाने उपलब्ध पाए गए, रिपोर्ट में समिति प्रबंधक विष्णु प्रताप सिंह और खरीदी प्रभारी रिजवान अंसारी की जांच के दौरान वह से बड़ी चालाकी से गायब हो गए, दोनों की अनुपस्थिति के कारण मौके पर रजिस्ट्रार और अन्य अभिलेखों का समुचित मिलान नहीं हो सका, ऐसे में सवाल उठता है कि जब धान के भौतिक सत्यापन जैसी गंभीर गणना चल रही थी, तब संबंधित जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद क्यों नहीं रहे ? सूत्रों के अनुसार, दोनों रजिस्ट्रार और अभिलेख अपने साथ लेकर वहां से चले गए थे ?

यदि ऐसा हुआ, तो यह जांच की पारदर्शिता और अभिलेखों के सत्यापन पर गंभीर सवाल खड़े करता है, आखिर जांच के समय जरूरी दस्तावेज मौके पर उपलब्ध क्यों नहीं थे और उनके बिना स्टॉक का पूरा मिलान कैसे किया जाना था ? सावरावां के दस्तावेज में एक और अंतर सामने आता है, जांच रिपोर्ट और ऑनलाइन रिकॉर्ड में 65,813.60 किंचंटल का आंकड़ा दर्ज है, जबकि 30 जनवरी 2026 के समिति प्रमाणपत्र में 701 किसानों से 66,613.60 किंचंटल धान की खरीदी का उल्लेख दिखाता है, दोनों आंकड़ों के बीच 800 किंचंटल का अंतर मिलता है।

एफआईआर के निर्देश जारी, फिर कार्रवाई का हिसाब कहां ?—सावरावां मामले में कलेक्टर कार्यालय का 10 फरवरी 2026 का पत्र महत्वपूर्ण है, इसमें जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की ओझी शाखा के प्रबंधक को खरीदी प्रभारी रिजवान अंसारी के विरुद्ध प्राथमिक सूचना दर्ज करने के संबंध में कार्रवाई करने के लिए कहा गया था, पत्र में जांच प्रतिवेदन का संदर्भ भी दिया गया है, यह दस्तावेज प्राथमिकी संबंधी कार्रवाई के निर्देश की पुष्टि करता है, पर एफआईआर आज तक दर्ज नहीं हुआ, अब प्रशासन और पुलिस को स्पष्ट करना चाहिए कि 10 फरवरी के निर्देश के बाद क्या हुआ, क्या एफआईआर दर्ज हुई ? यदि हुई, तो उसका क्रमिक और तारीख क्या है ? यदि नहीं हुई, तो उसका कारण क्या है ? क्या विभागीय जांच अलग से चल रही है ? क्या दर्ज कमी के अंतिम निर्धारण, संभावित वसूली और रिकॉर्ड मिलान पर कोई निर्णय लिया गया ? आदेश जारी करना कार्रवाई की शुरुआत है, उसका पालन और परिणाम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, इस करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित मूल्य के अंतर वाले मामले में कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है, यदि प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है, तो उसका विवरण सामने आना चाहिए, यदि कार्रवाई



लंबित है, तो उसके कारण और वर्तमान स्थिति की जानकारी दी जानी चाहिए।
साधना से पूछे गए सवाल और खाद्य अधिकारी की कथित सफाई—सूत्रों के अनुसार, बैठक में शिवप्रसादनगर केंद्र में दर्ज कमी को लेकर साधना कुशवाहा से भी सवाल किया गया, दावा है कि उन्होंने स्टॉक की गणना सही तरीके से नहीं होने की बात कही और खाद्य अधिकारी ने भी गणना में त्रुटि की संभावना का समर्थन किया, सूत्रों का यह भी कहना है कि पिछले सत्र में अन्य केंद्रों पर दर्ज कमी के संबंध में पूछे जाने पर कुछ लोगों ने भौतिक सत्यापन के दौरान गणना सही नहीं होने की बात कही, इसके बाद कलेक्टर ने कथित तौर पर सवाल उठाया कि क्या सभी केंद्रों पर गणना में त्रुटि हुई थी, सूत्रों के अनुसार, इस चर्चा के दौरान खाद्य अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं दे सके, लेकिन इस दावे के पीछे जो मूल सवाल है, वह महत्वपूर्ण है—यदि भौतिक सत्यापन में दर्ज कमियां बाद में गणना की त्रुटि बताई गईं, तो उस त्रुटि की पुष्टि किसने की और उसका लिखित आधार क्या है ? यदि जांच दल की गणना गलत थी, तो गलती किस स्तर पर हुई ? क्या गणना पत्रक में त्रुटि थी, स्टॉक की पहचान में समस्या थी, या ऑनलाइन रिकॉर्ड से मिलान करने में कोई तकनीकी अथवा प्रक्रियागत चूक हुई ? क्या दूसरी गणना में कमी दूर होने का दस्तावेज आधार मौजूद है ? क्या संबंधित जांच दल से स्पष्टीकरण लिया गया ? इन सवालों के जवाब केवल मौखिक सफाई से नहीं, रिकॉर्ड के मिलान से मिलने चाहिए।

शिवप्रसादनगर: चर्चा में 13 हजार किंचंटल, लेकिन जांच प्रतिवेदन में 5,552 किंचंटल—शिवप्रसादनगर धान उपार्जन केंद्र को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं, स्थानीय चर्चा और सूत्रों के हवाले से इस केंद्र में करीब 13,000 किंचंटल धान कम होने की बात कही गई, लेकिन उपलब्ध सरकारी जांच प्रतिवेदन में दर्ज आंकड़ा इससे अलग होगा, 12 जनवरी 2026 के जांच प्रतिवेदन में 5,552 किंचंटल धान की कमी दर्ज की गई और अंत में ये भी शून्य होगा, जांच प्रतिवेदन के अनुसार, ऑनलाइन रिकॉर्ड में 1,53,034 बोरीयां उपलब्ध थीं, जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान 1,39,154 बोरीयां पाई गईं। दोनों के बीच 13,880 बोरीयों का अंतर दर्ज हुआ, जिसे रिपोर्ट में 5,552 किंचंटल धान के बराबर बताया गया, इस मामले में 15 जनवरी 2026 को कारण बताओ सूचना जारी किए जाने का दस्तावेज उपलब्ध है, इसके बाद 22 जनवरी 2026 के आदेश में साधना कुशवाहा, सहायक समिति प्रबंधक एवं धान खरीदी प्रभारी, को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने का उल्लेख है, आदेश में उनके जवाब को असंतोषजनक और समाधानकारक नहीं मानने की बात भी कही गई, इस प्रकार उपलब्ध दस्तावेज बताते हैं कि शिवप्रसादनगर में भौतिक सत्यापन के बाद कमी दर्ज हुई, स्पष्टीकरण मांगा गया और फिर निलंबन का आदेश जारी किया गया।

साधना कुशवाहा की कथित बहाली: आदेश कहां है, आधार क्या है ? और आदेश सार्वजनिक क्यों नहीं ?— सूत्रों का दावा है कि साधना कुशवाहा को निलंबन से बहाल कर दिया गया है और इस प्रक्रिया की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, यदि वास्तव में बहाली हुई है, तो सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि आदेश किस तारीख को जारी हुआ, किस सक्षम प्राधिकारी ने जारी किया और किस आधार पर जारी किया गया, क्या निलंबन के बाद विभागीय जांच पूरी हुई ? क्या जांच में पहले दर्ज कमी के संबंध में कोई नया निष्कर्ष निकला ?

क्या कोई संशोधित भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार हुई ? क्या बहाली किसी नियम के तहत की गई ? यदि बहाली नहीं हुई है, तो संबंधित विभाग को साधना कुशवाहा की वर्तमान सेवा स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, यदि हुई है, तो आदेश सार्वजनिक करने से इस मामले में उठ रहे सवालों का तथ्यात्मक समाधान हो सकता है, व्यवस्था में पारदर्शिता का अर्थ केवल निलंबन का आदेश जारी करना नहीं है, निलंबन के बाद की प्रक्रिया, जांच के निष्कर्ष और बहाली या अन्य कार्रवाई का आधार भी स्पष्ट करना चाहिए।

पहली गणना में कमी, दूसरी में स्टॉक पूरा—तो सच किस रिपोर्ट में है ?— पिछले खरीदी सत्र के दौरान जिन केंद्रों में भौतिक सत्यापन में धान कम पाए जाने की बात सामने आई, वहां यदि बाद में दोबारा गणना कर स्टॉक पूरा बताया गया, तो उस बदलाव का आधार सार्वजनिक होना चाहिए, दो अलग-अलग गणनाओं के परिणाम अलग हैं तो यह जानना जरूरी है कि कौन-सी गणना किस प्रक्रिया से की गई और अंतिम निष्कर्ष किस प्रमाण पर आधारित था, कलेक्टर द्वारा बैठक में कथित तौर पर यह सवाल उठाए जाने की जानकारी सूत्रों से मिली है कि क्या एक बार गणना में धान कम मिला और दूसरी बार पूरा हो गया, यदि यह बातचीत हुई, तो यह स्टॉक सत्यापन की विवक्षणीयता से जुड़ा अहम मुद्दा है, इस दावे की पुष्टि के लिए प्रत्येक केंद्र की पहली और दूसरी जांच रिपोर्ट, गणना पत्रक, पंचनामा और संशोधित रिकॉर्ड का तुलनात्मक परीक्षण जरूरी है, यहीं प्रशासन के सामने असली परीक्षा है, यदि पहली गणना गलत थी, तो जांच दल की गलती का निर्धारण होना चाहिए, यदि पहली गणना सही थी और बाद में बिना पर्याप्त आधार के आंकड़े बदले गए, तो उस प्रक्रिया की जांच होनी चाहिए। और यदि दोनों गणनाओं में अलग-अलग परिस्थितियों के कारण अंतर आया, तो उसका दस्तावेजी स्पष्टीकरण सामने आना चाहिए, सवाल यह नहीं कि गलती किससे हुई—सवाल यह है कि गलती का प्रमाण क्या है, जिम्मेदारी किसकी तय हुई और सरकारी रिकॉर्ड में अंतिम आंकड़ा किस आधार पर दर्ज किया गया।

क्या जांच दल को गलत साबित करने की कोशिश हुई ?— सूत्रों का आरोप है कि भौतिक सत्यापन में कमी दर्ज करने वाले जांच दल की गणना पर सवाल उठाकर उसे गलत साबित करने का प्रयास किया गया, लेकिन इस मुद्दे पर प्रशासन को एक स्पष्ट प्रक्रिया अपनानी चाहिए, यदि जांच दल की गणना पर आपत्ति थी, तो क्या लिखित आपत्ति दर्ज की गई ? क्या दूसरी टीम से स्वतंत्र सत्यापन कराया गया ? क्या पहली रिपोर्ट के निष्कर्षों को बदलने का कारण आदेश में दर्ज किया गया ? क्या दोनों रिपोर्टों पर सक्षम अधिकारी ने विचार किया ? जांच दल के सदस्य प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाते हैं, उनकी रिपोर्ट अंतिम निर्णय नहीं होती, लेकिन उसे बदलने या अस्वीकार करने की भी एक पारदर्शी प्रक्रिया होनी चाहिए, यदि जांच में त्रुटि थी तो उसका प्रमाण सामने आना चाहिए, यदि त्रुटि नहीं थी तो रिपोर्ट को केवल मौखिक दलील के आधार पर खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

निलंबन के बाद भी जिम्मेदारी का सवाल खत्म नहीं होता—सावरावां और शिवप्रसादनगर के मामलों में निलंबन तथा एफआईआर संबंधी निर्देश जैसे कदम सामने आए, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि किसी को निलंबित कर दिया गया या किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश जारी हो गया, पर प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई, सावरावां में यह स्पष्ट होना चाहिए कि कलेक्टर के पत्र के बाद पुलिस कार्रवाई कहां तक पहुंची, शिवप्रसादनगर में यह स्पष्ट होना चाहिए कि निलंबन के बाद विभागीय जांच का क्या परिणाम हुआ और संबंधित व्यक्ति की वर्तमान सेवा स्थिति क्या है ? दोनों मामलों में यह भी बताया जाना चाहिए कि दर्ज कमी के अंतिम निर्धारण, संभावित वसूली और रिकॉर्ड के मिलान को लेकर क्या कदम उठाए गए, यदि कार्रवाई जारी है, तो उसकी स्थिति बताई जाए, यदि कोई आदेश पारित हो चुका है, तो उसका विवरण उपलब्ध कराया जाए, यदि जांच में शुरुआती निष्कर्ष बदले गए हैं, तो संशोधन का आधार सामने रखा जाए, इससे न केवल सवालों का जवाब मिलेगा, बल्कि संबंधित लोगों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।

क्या 2026-27 में फिर उन्हीं केंद्रों को मिलेगी जिम्मेदारी ?—नई खरीदी से पहले सबसे अहम सवाल यही है कि शिवप्रसादनगर और सावरावां केंद्रों पर जिम्मेदारी किसे दी जाएगी, क्या साधना कुशवाहा को फिर शिवप्रसादनगर में धान खरीदी प्रभारी बनाया जाएगा ? क्या रिजवान अंसारी को सावरावां की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी ? या फिर पिछले सत्र में दर्ज

कमियों और कार्रवाई की स्थिति को देखते हुए जिम्मेदारियों की समीक्षा की जाएगी ? प्रशासन से यह भी पूछना पूरी तरह जायज है कि जिम्मेदारी तय करते समय पिछली जांच के निष्कर्षों और विभागीय कार्रवाई को किस तरह ध्यान में रखा जाएगा, नई खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए केवल प्रशिक्षण आयोजित करना पर्याप्त नहीं होगा, स्टॉक का नियमित मिलान, बारदानों का हिसाब, ऑनलाइन प्रविष्टियों की निगरानी, जांच दल की स्वतंत्रता और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी जरूरी है, यदि किसी केंद्र में पहले गंभीर अंतर दर्ज हुआ है, तो वहां निगरानी की व्यवस्था और अधिक स्पष्ट होनी चाहिए।

क्या सूरजपुर या सरगुजा संभाग में होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी ?— पिछले सत्र में धान की कमी और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर सूरजपुर जिला चर्चा में रहा, अब नई खरीदी से पहले प्रशासनिक फेरबदल या जिम्मेदारियों में बदलाव की संभावना पर सवाल उठ रहे हैं, प्रशासन को यह बताना चाहिए कि क्या पिछले सत्र के मामलों की समीक्षा कर खरीदी केंद्रों पर जिम्मेदारियां तय की जाएंगी, क्या स्टॉक सत्यापन की प्रक्रिया में बदलाव होगा ? क्या ऑनलाइन रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक का नियमित मिलान अनिवार्य रूप से कराया जाएगा ? क्या किसी केंद्र पर दर्ज कमी के बाद दूसरी गणना या संशोधित रिपोर्ट तैयार करने के लिए स्पष्ट मानक लागू होंगे ? क्या जांच दल की रिपोर्ट में बदलाव होने पर उसके कारण लिखित रूप से दर्ज किए जाएंगे ?

किसानों का धान, सरकारी रिकॉर्ड और जवाबदेही का हिसाब— धान खरीदी में किसान अपनी उपज सरकारी व्यवस्था पर भरोसा करके जमा करते हैं, प्रत्येक किंचंटल का रिकॉर्ड, प्रत्येक बोरी का हिसाब और भुगतान की प्रक्रिया उसी भरोसे की नींव है, जब ऑनलाइन रिकॉर्ड और भौतिक सत्यापन के बीच हजारों किंचंटल का अंतर दर्ज हो, तो प्रशासन की जवाबदेही भी उसी अनुपात में गंभीर होनी चाहिए, सावरावां में 32,838 किंचंटल और शिवप्रसादनगर में 5,552 किंचंटल का अंतर—दोनों जांचों में दर्ज आंकड़ों को जोड़ने पर 38,390 किंचंटल होता है, यह दो अलग-अलग केंद्रों की जांच में दर्ज कुल अंतर है, लेकिन इतना बड़ा संयुक्त अंतर यह जरूर बताता है कि पुराने मामलों का अंतिम हिसाब स्पष्ट करना जरूरी है, यदि कहीं गणना में गलती हुई, तो उसका दस्तावेजी प्रमाण सामने आए, यदि जांच में कमी की पुष्टि हुई, तो कार्रवाई की स्थिति बताई जाए। यदि एफआईआर दर्ज हुई, तो उसका विवरण दिया जाए, यदि बहाली हुई, तो आदेश और आधार सार्वजनिक हों, यदि किसी मामले में जांच लंबित है, तो यह स्पष्ट किया जाए कि वह किस चरण में है, धान खरीदी की पारदर्शिता केवल इस बात से साबित नहीं होगी कि 15 नवंबर से केंद्र खुल जाएंगे, पारदर्शिता तब साबित होगी, जब पिछले सत्र में दर्ज कमियों का हिसाब सामने आएगा और नई खरीदी में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए स्पष्ट व्यवस्था लागू होगी, अब सूरजपुर प्रशासन के सामने तीन सीधे सवाल हैं—सावरावां में एफआईआर संबंधी निर्देश के बाद क्या कार्रवाई हुई ? शिवप्रसादनगर में निलंबन के बाद साधना कुशवाहा की वर्तमान स्थिति क्या है ? और क्या नई खरीदी से पहले दोनों केंद्रों की जिम्मेदारी तथा पिछले सत्र के स्टॉक अंतर की समीक्षा सार्वजनिक की जाएगी ?

प्रशासन से जवाब मांगते प्रमुख सवाल

1. सावरावां : कलेक्टर के 10 फरवरी 2026 के पत्र के बाद एफआईआर दर्ज हुई या नहीं ? यदि हुई, तो क्रमांक और तारीख क्या है ?
2. सावरावां : ऑनलाइन रिकॉर्ड में 65,813.60 किंचंटल और समिति प्रमाणपत्र में 66,613.60 किंचंटल का अंतर क्यों है ?
3. सावरावां : क्या 32,838 किंचंटल के अंतर पर अंतिम भौतिक सत्यापन, रिकॉर्ड मिलान और विभागीय जांच पूरी हुई ?
4. शिवप्रसादनगर : 5,552 किंचंटल की कमी पर जारी निलंबन आदेश के बाद क्या कोई नया आदेश जारी हुआ ?
5. कथित बहाली : साधना कुशवाहा की बहाली हुई है तो आदेश की तारीख, सक्षम प्राधिकारी और आधार क्या है ?
6. बैठक : 25 अक्टूबर की बैठक में पुराने स्टॉक अंतर और संबंधित मामलों पर क्या चर्चा हुई ? क्या कार्यवाही विवरण उपलब्ध है ?
7. नई खरीदी : क्या दोनों केंद्रों की जिम्मेदारी तय करते समय पिछले सत्र के मामलों की समीक्षा होगी ?
8. निगरानी : यदि किसी केंद्र में पहली और दूसरी गणना अलग-अलग परिणाम देती है, तो अंतिम आंकड़ा तय करने की लिखित प्रक्रिया क्या होगी ?
9. प्रशासनिक सुधार : क्या सूरजपुर जिले या सरगुजा संभाग में खरीदी से पहले जिम्मेदारियों की समीक्षा अथवा तबादले प्रस्तावित है ?



सात समंदर पार से अपनी जन्मभूमि तक पहुंची खुशियों की रोशनी

चंद्रकांत पटेल की पहल से जरूरतमंद पंडो परिवारों की मनेगी दीपावली

अमेरिका में बसे चंद्रकांत पटेल का अपनी मिट्टी से प्रेम, जरूरतमंदों के आंगन में जगमगाएंगे दीप

सात समंदर पार से जन्मभूमि तक पहुंची खुशियों की रोशनी, पंडो परिवारों के घर मनेगी दीपावली

दूरियां हजारों मील की...दिल जुड़ा जन्मभूमि से...पंडो परिवारों तक दीपावली की खुशियां लेकर पहुंची छात्राएं

- राजन पाण्डेय -
एमसीबी, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

दीपावली का असली उजाला केवल घरों में जलने वाले दीयों से नहीं, बल्कि उन चेहरों की मुस्कान से भी फैलता है, जिनके जीवन में खुशियां पहुंचाने के लिए कोई संवेदनशील पहल करता है, चिरमिरी क्षेत्र में इस दीपावली कुछ ऐसा ही मानवीय प्रयास देखने को मिल रहा है, अमेरिका में रह रहे चंद्रकांत पटेल ने अपनी जन्मभूमि और यहां के लोगों से जुड़ाव बनाए रखते हुए जरूरतमंद परिवारों तक त्योहार की खुशियां पहुंचाने की पहल की है, इस प्रयास के तहत के.बी. पटेल कॉलेज की छात्राएं दूरस्थ और पहुंचविहीन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पंडो जनजाति के परिवारों के घरों तक दीपावली के उपहार लेकर पहुंच रही हैं।

दीयों के साथ बांटा अपनापन, मिठाइयों के साथ मुस्कान-पंडो परिवारों की दीपावली खास बनाने की पहल

उपहार वितरण नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ा अपनत्व और सेवा का भाव है, छात्राएं परिवारों को मिठाई, दीये, तेल, बाती, लाई, बताशे, पटाखे और रंगोली की सामग्री सहित दीपावली में उपयोग होने वाली वस्तुएं दे रही हैं, इसके साथ ही घरों के द्वार पर आम के पत्तों से बने पारंपरिक तोरण लगाए जा रहे हैं और आंगन में रंगोली बनाकर घरों को सजाया जा रहा है, इस तरह यह प्रयास जरूरतमंद परिवारों तक त्योहार की सामग्री पहुंचाने के साथ उन्हें दीपावली के उत्सव में सहभागी बनाने का माध्यम भी बन रहा है।

उपहारों के साथ घर-आंगन में सज रही दीपावली

दीपावली पर घर की साफ-सफाई, द्वार पर तोरण, आंगन में रंगोली, दीयों की रोशनी और मिठाइयों की मिठास त्योहार की पहचान मानी जाती है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों से जुड़े रहे परिवारों के लिए इन तैयारियों के लिए जरूरी सामग्री जुटाना कई बार

किसी के आंगन में रंगोली, किसी की देहरी पर तोरण-चंद्रकांत पटेल की पहल से रोशन होंगे जरूरतमंदों के घर

दीपावली की खुशियां बांटने दुर्गम गांवों तक पहुंची छात्राएं, पंडो परिवारों को दिए उपहार

चुनौती बन जाता है, ऐसे में जब कोई उनके घर तक पहुंचकर त्योहार की आवश्यक वस्तुएं भेंट करता है, तो वह सहजता केवल सामान देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसमें संवेदन और सम्मान का भाव भी जुड़ जाता है, चंद्रकांत पटेल की पहल के तहत तैयार किए गए दीपावली उपहारों में मिठाई, दीये, तेल, बाती, लाई, बताशे, पटाखे और रंगोली बनाने की सामग्री शामिल है, इन वस्तुओं के जरिए परिवारों को त्योहार मनाने के लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। छात्राएं जब

अमेरिका में रहते हैं चंद्रकांत पटेल, जन्मभूमि से जुड़ाव बरकरार

विदेश में रहने के बावजूद अपनी जन्मभूमि और वहां के लोगों के प्रति जुड़ाव बनाए रखना इस पहल का प्रमुख पक्ष है, अमेरिका में रह रहे चंद्रकांत पटेल ने दीपावली जैसे सांस्कृतिक और पारिवारिक त्योहार को जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां साझा करने का माध्यम बनाया है, भौगोलिक दूरी हजारों किलोमीटर की हो सकती है, लेकिन अपनी मिट्टी और समाज के प्रति लगाव व्यक्ति को अपनी जड़ों से जोड़े रख सकता है, चंद्रकांत पटेल की पहल इसी भावना को दर्शाती है, स्थानीय स्तर पर छात्राओं की भागीदारी के माध्यम से इस प्रयास को ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है, इसका संदेश यह भी है कि सामाजिक योगदान के लिए किसी व्यक्ति का अपने क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से मौजूद होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है, स्थानीय लोगों और संस्थाओं के सहयोग से भी अपने क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों तक मदद और खुशियां पहुंचाने के प्रयास किए जा सकते हैं।

घरों तक पहुंचती हैं, तो वे उपहार सौंपने के साथ पारंपरिक सजावट में भी भागीदारी निभाती हैं, घर के दरवाजे पर तोरण और आंगन में रंगोली सजने से

विदेश में रहकर भी नहीं भूले अपनी मिट्टी, चंद्रकांत पटेल ने जरूरतमंद परिवारों के लिए बढ़ाए मदद के हाथ

सात समंदर पार से आया स्नेह, छात्राओं ने दुर्गम गांवों में सजाए पंडो परिवारों के घर-आंगन

त्योहार का माहौल और आत्मीय बन जाता है, यह पहल इस विचार को सामने लाती है कि त्योहार की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए, दीपावली की रौनक केवल बड़े शहरों, बाजारों या संपन्न परिवारों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ गांवों के उन घरों तक भी पहुंचे, जहां छोटी-छोटी खुशियों का इंतजार रहता है।

कॉलेज की छात्राओं की भागीदारी से पहल को मिला मानवीय स्वरूप

के.बी. पटेल कॉलेज की छात्राएं इस पहल में उपहार वितरण के साथ घरों की सजावट में भी योगदान दे रही हैं, कॉलेज के प्रबंधक विश्वजीत बारीक के अनुसार, इस प्रयास के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के घरों तक दीपावली की खुशियां पहुंचाने और उनके चेहरों पर मुस्कान लाने की कोशिश की जा रही है, शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल कक्षा में शिक्षा देने तक सीमित नहीं होती, विद्यार्थियों को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर उन्हें समाज की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और अपनी जिम्मेदारी पहचानने का अवसर मिलता है, इस पहल में छात्राओं की सहभागिता इसी दिशा में एक उदाहरण है, वे अपने समय और श्रम के माध्यम से दूरस्थ परिवारों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कर रही हैं।

जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही त्योहार की रौनक

दूरस्थ गांवों में रहने वाले पंडो परिवारों तक दीपावली की सामग्री पहुंचाने और घर-आंगन सजाने का यह प्रयास त्योहार की तैयारियों में सहयोग देने के साथ सामाजिक जुड़ाव को भी महत्व देता है, मिठाई, दीये, तेल और बाती जैसी वस्तुएं जहां दीपावली मनाने में मदद करती हैं, वहीं तोरण लगाने और रंगोली बनाने जैसी गतिविधियां इस प्रयास को भावनात्मक रूप से जोड़ती हैं, इस तरह की पहल समाज में सहयोग की भावना को बढ़ावा दे सकती है, जब जरूरतमंद परिवारों के साथ त्योहार की खुशियां साझा की जाती हैं, तो सहजता देने और पाने के बीच केवल वस्तुओं का आदान-प्रदान नहीं रहता, बल्कि आपसी सम्मान और अपनत्व का संबंध भी मजबूत होता है।

दूसरों के घर तक खुशियों की रोशनी पहुंचाना ही दीपावली का संदेश

चंद्रकांत पटेल की पहल और के.बी. पटेल कॉलेज की छात्राओं का सेवाभाव दीपावली के उस संदेश को सामने लाता है, जिसमें अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करने का महत्व है, घरों में दीये जलाना त्योहार की परंपरा है, लेकिन किसी ऐसे परिवार के घर तक खुशियां पहुंचाना, जिसके लिए त्योहार की तैयारियां कठिन हों, इस परंपरा को मानवीय अर्थ भी देता है, अमेरिका में रहकर अपनी जन्मभूमि के जरूरतमंद परिवारों के लिए पहल करना और छात्राओं का दुर्गम रास्तों से होकर उन परिवारों तक पहुंचाना इस प्रयास के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। एक ओर अपनी मिट्टी से जुड़ाव है, तो दूसरी ओर युवाओं का सेवा और संवेदना के साथ समाज से जुड़ना, संदेश साफ है-दीपावली की रोशनी सभी और व्यापक होती है, जब वह अपने घर की देहरी से आगे बढ़कर दूसरों के आंगन तक पहुंचे, चिरमिरी क्षेत्र में चल रही यह पहल इसी सोच को साकार करने का प्रयास है, जहां उपहारों के साथ अपनत्व, रंगोली के साथ सम्मान और दीयों के साथ उम्मीद बांटने की कोशिश की जा रही है।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत विजन से युवा जुड़े, कौशल और नेतृत्व क्षमता को दें नई उड़ान : विश्वविजय

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों, सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर

-संवाददाता-
बैकुंठपुर, 29 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नवीन गल्स कॉलेज, बैकुंठपुर में 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने, उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने और आत्मविश्वास के साथ रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया, कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर सहित विभिन्न अतिथियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

बैकुंठपुर के नवीन गल्स कॉलेज में 'युवा उड़ान 2026' का आयोजन, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से किया संवाद

केवल किताबी शिक्षा नहीं, हुनर और कौशल भी जरूरी: तोमर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि वर्तमान दौर में केवल किताबी शिक्षा हासिल करना पर्याप्त नहीं है, युवाओं को अपने हुनर, कौशल, जिज्ञासा और रचनात्मकता का निरंतर विकास करना चाहिए, उन्होंने कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें सही दिशा और अवसर उपलब्ध कराने की है, तोमर ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का अनुसरण करने और उनके विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है, अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग कर युवा न केवल अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में भी योगदान दे सकते हैं, डिजिटल युग का उपयोग करके वे डिजिटल मंचों का उपयोग ज्ञान अर्जित करने, नई जानकारी प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा को सामने लाने के लिए करें, खेल जगत का



उदाहरण देते हुए तोमर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी और ज्ञानेश्वरी देवी से प्रेरणा लेने की बात कही, उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से युवा अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं, अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवाओं से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि वे जीवन में सफलता

के किसी भी शिखर पर पहुंच जाएं, लेकिन अपने माता-पिता के योगदान, संघर्ष और त्याग को कभी न भूलें।

गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय विषयों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में उपस्थित देवेंद्र तिवारी ने भारत के गौरवशाली इतिहास और उसके पुनर्जागरण पर अपने विचार रखे, उन्होंने

'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे राष्ट्रीय विषयों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अहम है, उन्होंने युवाओं से देश के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को समझते हुए सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया, जिला पंचायत कोरिया की उपाध्यक्ष वंदना

युवाओं की सोच से तय होती है देश की विकास दिशा

कृष्ण बिहारी जायसवाल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी देश का विकास वहां के युवाओं की सोच, दृष्टिकोण और कार्यक्षमता पर निर्भर करता है, उन्होंने विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनने की अपील की, उनके अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रेरणादायक कार्यों, नवाचारों और सकारात्मक बदलावों की जानकारी मिल सकती है, वक्ताओं ने युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, अनुशासन के साथ लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने का संदेश दिया, कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

विद्यार्थियों की सहभागिता ने बढ़ाई कार्यक्रम की सार्थकता

कार्यक्रम में शारदा प्रसाद गुप्ता, जिलाध्यक्ष चेंबर ऑफ कॉमर्स कोरिया, सीए प्रशांत गुप्ता, तीर्थ राजवाड़े, मीडिया प्रभारी भाजपा, पार्षद संजय जायसवाल, सेंटेंद्र राजवाड़े, मनोज सोनवानी, वय चक्रधारी, विकास दुबे और राकेश चौरसिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे, समारोह के समापन अवसर पर नवीन गल्स कॉलेज, बैकुंठपुर की प्राचार्य डॉ. रंजना कच्छप ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, उन्होंने कार्यक्रम में विचार साझा करने वाले अतिथियों, वक्ताओं, आयोजक मंडल और उदाहरण के लिए भाग लेने वाले महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिक और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे, 'युवा उड़ान 2026' के माध्यम से युवाओं की कौशल विकास, सकारात्मक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

राजवाड़े ने अपने संबोधन में पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेलकूद भी

महत्वपूर्ण है, उन्होंने युवाओं से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की, ताकि समाज में तार्किक सोच, नवाचार और नई विचारधारा को बढ़ावा मिल सके।



वोट बचाने की लड़ाई को राष्ट्रीय धार, 1 नवंबर की दिल्ली रैली के लिए कोरिया कांग्रेस लामबंद 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारों से गूँजा कोटाडोल, बैकुंठपुर से दिल्ली तक कांग्रेस की तैयारी

मताधिकार की लड़ाई में उतरी कोरिया कांग्रेस, दिल्ली कूच की तैयारी

‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ की हुंकार! बैकुंठपुर में बैठक, कोटाडोल में पदयात्रा

‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ की हुंकार, कोरिया कांग्रेस ने फूँका आंदोलन का बिगुल!

कोटाडोल में निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारेबाजी कर तहसीलदार को सौंपा झापन

बैकुंठपुर में एआईआईसी पर्यवेक्षक, सह-प्रभारी और सांसद की मौजूदगी में जिला स्तरीय बैठक व पत्रकारवार्ता

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/ कोटाडोल, 29 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)। लोकतंत्र को रक्षा, मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस का 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान कोरिया जिले में तेज होता दिखाई दे रहा है, बुधवार को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित राजीव भवन में जिला स्तरीय संयुक्त बैठक एवं पत्रकारवार्ता आयोजित की गई, वहीं कोटाडोल में अभियान के तहत पदयात्रा निकालकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई गई, बैकुंठपुर की बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेताओं ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता से जुड़े मुद्दे उठाए। दूसरी ओर, कोटाडोल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, कांग्रेस ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता सूची की विश्वसनीयता, पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने और निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने की मांग की, पार्टी ने बूथ और पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान चलाने के साथ 1 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित राष्ट्रीय रैली में कोरिया जिले से कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी पर भी जोर दिया।

राजीव भवन में राष्ट्रीय नेताओं की मौजूदगी में बैठक और पत्रकारवार्ता

बैकुंठपुर स्थित राजीव भवन, जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक एवं पत्रकारवार्ता में एआईआईसी पर्यवेक्षक देबासिस पटनायक, एआईआईसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह-प्रभारी जरिता लैतपतांग, कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत तथा पीसीसी पर्यवेक्षक एवं पूर्व विधायक डॉ. प्रीतम राम उपस्थित रहे, पत्रकारवार्ता के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने में पारदर्शिता, दोहरे पंजीकरण तथा निर्वाचन आयोग की जवाबदेही से जुड़े सवाल उठाए। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा निष्पक्ष चुनाव की बुनियादी शर्त है, पार्टी ने मतदाता सूची में हुए बदलावों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करने, संदिग्ध विसंगतियों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने तथा प्रभावित मतदाताओं को नाम जुड़वाने एवं त्रुटियों में सुधार का प्रभावी अवसर देने की मांग की, कांग्रेस नेताओं ने इन मुद्दों को किसी एक चुनाव या पुनरीक्षण प्रक्रिया तक सीमित न मानते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता के विश्वास से जुड़ा विषय बताया।

1 नवंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय रैली, कोरिया से भागीदारी की तैयारी

बैठक में अभियान के आगामी चरणों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के समन्वय से 1 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय रैली आयोजित करने की तैयारी कर रही है, इस रैली के माध्यम से मतदाता सूची की पारदर्शिता, चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जाएंगे, बैठक में कोरिया जिले से कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर



जोर दिया गया, साथ ही अभियान के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और संगठन के विभिन्न स्तरों पर जनसंपर्क बढ़ाने की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बूथ से पंचायत तक चौपाल, मतदाता सूची के सत्यापन पर जोर

कांग्रेस ने अभियान को केवल बैठकों और पत्रकारवार्ताओं तक सीमित न रखते हुए गांव-गांव तक पहुंचाने की रणनीति बनाई है, इसके तहत चौपालों के माध्यम से आम नागरिकों से संवाद करने और बूथ एवं पंचायत स्तर पर मतदाता सूचियों के सत्यापन पर जोर दिया गया, बैठक में जिला संगठन, ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल एवं सेक्टर अध्यक्षों, बूथ-पंचायत अध्यक्षों, मोर्चा-संगठनों, प्रकोष्ठों, विभागों और बूथ लेवल जेजेंटों (बीएलए) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया, कांग्रेस का कहना है कि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में बने रहें और किसी भी प्रकार की त्रुटि सामने आने पर समय रहते सुधार कराया जा सके, इसके लिए संगठन के प्रत्येक स्तर पर सक्रियता बढ़ाई जाएगी।

कोटाडोल में पदयात्रा, 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे

इसी अभियान के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटाडोल के तत्वावधान में मंगयावार को कोटाडोल में पदयात्रा निकाली गई, पूर्व विधायक गुलाब कमरो के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और मताधिकार की सुरक्षा के मुद्दे उठाए, पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' और 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' जैसे नारे लगाए, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मत महत्वपूर्ण है और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना जरूरी है, पार्टी नेताओं ने कहा कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के माध्यम से मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवालों को जनता के बीच ले जाने का प्रयास किया जा रहा है, पदयात्रा के समापन पर कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया, ज्ञापन में मताधिकार की सुरक्षा, निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग शामिल रही।

गुलाब कमरो सहित अनेक पदाधिकारी हुए शामिल

कोटाडोल में आयोजित पदयात्रा में पूर्व विधायक गुलाब कमरो के साथ जिला उपाध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, जिला महामंत्री एवं कोटाडोल प्रभारी अवधेश सिंह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राम सिंह और आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष अमोल सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए, कार्यक्रम में शरण सिंह, रामप्रकाश मानिकपुरी, आनंद राय, कमल चौधरी, आशु, हंसलाल, राजेश बैगा, राजकरण यादव, परमेश, उमेश, वंश बहदुर, शिव प्रसाद, श्रम सिंह और कंश लाल सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने अभियान के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा को लेकर अपनी आवाज उठाने की प्रतिबद्धता जताई।

जिला संगठन के नेताओं और दावेदारों की मौजूदगी

बैकुंठपुर में आयोजित संयुक्त बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, बृष्ट सदस्य योगेश शुक्ला, वेदांती तिवारी, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, महामंत्री बृजवासी तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े, आशीष यादव 'लक्ष्म', सुरेश सिंह, अजीत लकड़ा, प्रवीर भट्टाचार्य, बंशगोपाल, शैलेंद्र सिंह, अजय सिंह और हेमसागर यादव सहित अनेक पदाधिकारी शामिल हुए, इसके अलावा जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, पाषंद, बैकुंठपुर और शिवपुर-चरका नगर पालिकाओं के दावेदार, ब्लॉक कांग्रेस, मंडल, सेक्टर, बूथ एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

मताधिकार की सुरक्षा को लेकर अभियान जारी रखने का संकल्प

बैकुंठपुर की बैठक और कोटाडोल की पदयात्रा के जरिए कांग्रेस ने मतदाता सूची की पारदर्शिता और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता से जुड़े मुद्दों को जिले में प्रमुखता से उठाया, पार्टी ने बूथ से पंचायत स्तर तक जनजागरण, मतदाता सूची के सत्यापन और लोगों से सीधे संवाद करने की रणनीति पर जोर दिया है, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना चाहिए और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता के जरिए जनता का विश्वास मजबूत किया जाना चाहिए, अब अभियान का अगला प्रमुख पड़ाव 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित राष्ट्रीय रैली है, जिसमें कोरिया जिले से कांग्रेसजनों की भागीदारी की तैयारी की जा रही है।

एमसीबी जिले का हक नहीं छिनने देंगे, सेतु निर्माण उपसंभाग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री का स्पष्ट संदेश

लोक निर्माण विभाग के 28 अक्टूबर के आदेश के बाद एमसीबी जिले के अधिकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की पहल, मनेंद्रगढ़ में पदस्थ अमले को एमसीबी कार्यालय के लिए कार्य करने के निर्देश

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़, 29 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण उपसंभाग की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सामने आए आदेश के बीच प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल ने जिले के अधिकारों और हितों की रक्षा को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट किया है, मंत्री जायसवाल ने कहा है कि एमसीबी जिले का हक और अधिकार किसी भी कीमत पर छिनने नहीं दिया जाएगा, उन्होंने क्षेत्र के विकास और प्रशासनिक सुविधाओं को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता जताई है, छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा 28 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार सेतु निर्माण उपसंभाग मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का सृजन किया गया था, विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था के तहत अब मनेंद्रगढ़ में कार्यरत अमले को आगामी आदेश तक एमसीबी कार्यालय के लिए ही कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, यह आदेश अवर सचिव मनराजन भूआर्य के हस्ताक्षर से जारी होने की जानकारी दी गई है, आदेश की प्रतियां प्रमुख अभियंता, संबंधित कलेक्टर और जिला कोषाधिकारी सहित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं सूचनाएं भेजी गई हैं।

हैं, इस व्यवस्था को एमसीबी जिले में विभागीय कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

28 अक्टूबर के आदेश में क्या है खास?

लोक निर्माण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश क्रमांक ईएसटीबी-102/1316/2026-पीडब्ल्यूडी के अनुसार पूर्व में सेतु निर्माण उपसंभाग मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का सृजन किया गया था, विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था के तहत अब मनेंद्रगढ़ में कार्यरत अमले को आगामी आदेश तक एमसीबी कार्यालय के लिए ही कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, यह आदेश अवर सचिव मनराजन भूआर्य के हस्ताक्षर से जारी होने की जानकारी दी गई है, आदेश की प्रतियां प्रमुख अभियंता, संबंधित कलेक्टर और जिला कोषाधिकारी सहित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं सूचनाएं भेजी गई हैं।



स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा प्राथमिकता

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने एमसीबी जिले के अधिकारों को लेकर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं होने दिया जाएगा, उन्होंने जिले में विकास कार्यों और प्रशासनिक सुविधाओं को बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, मंत्री का कहना है कि एमसीबी जिले के विकास और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिले के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक स्तर पर पहल जारी रहेगी।

सेतु निर्माण कार्यों की स्थानीय व्यवस्था क्यों महत्वपूर्ण?

एमसीबी जिला भौगोलिक दृष्टि से विस्तृत है और इसके विभिन्न क्षेत्रों में सड़क तथा पुल-पुलिया निर्माण की जरूरत बनी रहती है, ऐसे में सेतु निर्माण उपसंभाग की स्थानीय कार्यव्यवस्था का सीधा संबंध विभागीय समन्वय, निर्माण कार्यों की निगरानी और प्रशासनिक सुविधा से है, विभागीय अमले को एमसीबी कार्यालय के लिए कार्य करने का

निर्देश मिलने से स्थानीय स्तर पर कार्यों की निरंतरता बनाए रखने में सहायता मिल सकती है, हालांकि, उपसंभाग के स्थानीय कार्यालय, प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र और भविष्य की व्यवस्था की स्थिति विभागीय आदेशों से ही स्पष्ट होगी।

अब स्थायी व्यवस्था पर भी रहेगी नजर

लोक निर्माण विभाग के आदेश में अमले के लिए 'आगामी आदेश तक' की व्यवस्था का उल्लेख महत्वपूर्ण है, इसका अर्थ है कि वर्तमान निर्देश को अंतिम अथवा स्थायी प्रशासनिक निर्णय मानना उचित नहीं होगा, ऐसे में आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सेतु निर्माण उपसंभाग का स्थायी संचालन किस प्रकार निर्धारित किया जाता है और एमसीबी जिले के विकास कार्यों के लिए आवश्यक विभागीय संसाधन तथा कर्मचारी व्यवस्था किस रूप में उपलब्ध रहती है, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के आश्वासन और विभागीय आदेश के बाद जिले में सेतु निर्माण उपसंभाग की भविष्य की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी नजर बनी रहेगी।

बॉलीवुड में करवाचौथ की धूम,शिल्पा शेट्टी से लेकर मीरा कपूर तक,अनिल कपूर के घर सज-धज कर पहुंचीं हसीनाएं

करवाचौथ 2026 पर बॉलीवुड की हसीनाएं पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। शिल्पा शेट्टी, मीरा राजपूत, प्रियंका चोपड़ा और हिना खान ने अपने लुक, मेहंदी और त्योहार की तैयारियों की झलक साझा की।

करवाचौथ का त्योहार देशभर में 29 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जा रहा है। आम महिलाओं से लेकर बॉलीवुड और टेलीविजन की अभिनेत्रियों तक, हर कोई इस खास दिन को अपने अंदाज में सेलिब्रेट कर रहा है। कहीं हाथों में मेहंदी सजाई जा रही है तो कहीं पारंपरिक साड़ियों और खूबसूरत एक्सेसरीज के साथ त्योहार की तैयारियां पूरी हो रही हैं।

बॉलीवुड में भी करवाचौथ की रौनक देखने को मिल रही है। अनिल कपूर के मुंबई स्थित घर पर हर साल की तरह इस बार भी सुनीता कपूर की मेजबानी में खास आयोजन हो रहा है, जिसमें कई फिल्मी सितारे शामिल होने पहुंचेंगे। शिल्पा शेट्टी से लेकर मीरा राजपूत तक, कई हसीनाओं के लुक सामने आए हैं। वहीं प्रियंका चोपड़ा और हिना खान ने भी सोशल मीडिया पर अपनी मेहंदी की झलक दिखाकर फैस को करवाचौथ की बधाइयां दी हैं।

गुलाबी साड़ी में शिल्पा शेट्टी,मीरा राजपूत का दिखा सादगी भरा अंदाज अनिल कपूर के घर आयोजित करवाचौथ समारोह में शामिल होने के लिए अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी गुलाबी रंग की साड़ी पहनकर पहुंचीं। उनके पारंपरिक लुक ने सबका ध्यान खींचा। खास बात यह रही कि शिल्पा के हाथों में बेहद सिंपल मेहंदी नजर आई, जिसमें हथेली पर सिर्फ एक बिंदी जैसा डिजाइन दिखाई दिया। उनका यह मिनिमल मेहंदी लुक त्योहार की तैयारियों के बीच अलग नजर आया। वहीं शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत भी इस खास जश्न का हिस्सा बनीं। मीरा बेज रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। उन्होंने अपने



पारंपरिक लुक को पोटली बैग के साथ पूरा किया। उनका सादगी भरा अंदाज त्योहार के माहौल में खूब जंचा। सुनीता कपूर के घर होने वाला यह आयोजन हर साल फिल्मी सितारों की मौजूदगी के चलते चर्चा में रहता है और इस बार भी कई सितारों की झलकियां सामने आने लगी हैं।इनके अलावा पंक शररा में हर्भजन सिंह की पत्नी का लुक भी देखने को मिला। डायरेक्टर कबीर खान की पत्नी भी लाल साड़ी में नजर आईं। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप का रेड साड़ी लुक भी इस सेलिब्रेशन में शामिल होने के लिए देखने को मिला। महीप कपूर और भावना पांडे भी एक साथ सूट कैरी किए नजर आईं। नीलम कोठारी का ग्रीन सूट लुक काफी एलिगेंट लगा।

प्रियंका चोपड़ा ने दिखाई निक और मालती के नाम वाली मेहंदी ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा भी करवाचौथ की तैयारियों में पीछे नहीं हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने हाथों की मेहंदी की तस्वीरें साझा कीं। उनकी मेहंदी में पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी से जुड़े खास संकेत देखने को मिले। प्रियंका अक्सर अपने परिवार से जुड़े खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा करती हैं और

इस बार उनकी मेहंदी ने भी फैस का ध्यान खींचा। प्रियंका ने मेहंदी का रंग गहरा करने के लिए चीनी की चाशनी से जुड़ा एक पारंपरिक घरेलू नुस्खा भी साझा किया। उनके पोस्ट से साफ है कि त्योहार की तैयारियों में उन्होंने छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखा है। प्रियंका के अलावा टीवी अभिनेत्री हिना खान ने भी अपनी मेहंदी की तस्वीरें शेयर करते हुए फैस को 'हैप्पी करवाचौथ' कहा।

कृति खरबदा ने दिखाई खूबसूरत मेहंदी,अंशुला कपूर का पहला करवाचौथ

इस साल कई अभिनेत्रियों के लिए करवाचौथ खास है, क्योंकि शादी के बाद वे पहली बार यह त्योहार मना रही हैं। अभिनेत्री कृति खरबदा ने भी अपनी खूबसूरत मेहंदी की झलक सोशल मीडिया पर साझा की। पुलकित सम्राट के साथ शादी के बाद त्योहार को लेकर उनकी तैयारियां फैस के बीच चर्चा में हैं। वहीं अंशुला कपूर के लिए यह करवाचौथ बेहद खास है। वह पति रोहन के साथ शादी के बाद पहली बार यह त्योहार मना रही हैं। अंशुला ने अपनी शादी के पलों को संभरेते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनके

रिश्ते के खूबसूरत सफर की झलक देखने को मिली। वह अनिल कपूर के परिवार के साथ भी इस खास आयोजन में शामिल हो रही हैं। इसके अलावा नूपुर सेनन, कृतिका कामरा और आकांशा रंजन कपूर भी शादी के बाद अपना पहला करवाचौथ मना रही हैं।

महीप कपूर और टीवी सितारों ने भी साझा कीं यादें...

महीप कपूर ने करवाचौथ के मौके पर पुराना वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी पिछली करवाचौथ की तैयारियां, मेहंदी की रस्में और पारंपरिक ससरी से जुड़े पल नजर आए। उनके इस पोस्ट ने त्योहार से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया। टेलीविजन जगत की युविका चौधरी और सुप्रभ चंदना ने भी आरती सिंह के साथ मेहंदी की तैयारियों से जुड़ा वीडियो साझा किया। सोशल मीडिया पर इन पोस्ट के जरिए सितारे अपने फैस को त्योहार की झलक दिखा रहे हैं। इस बीच अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने भी करवाचौथ से पहले अपनी पत्नी के लिए लज्जरी कार खरीदकर उन्हें सरप्राइज दिया। उन्होंने इस खास तोहफे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया।

सुनीता कपूर के घर सितारों का जमावड़ा

करवाचौथ पर अनिल कपूर के घर होने वाला आयोजन बॉलीवुड की चर्चित परंपराओं में से एक है। सुनीता कपूर हर साल इस मौके पर कई सितारों को आमंत्रित करती हैं। इस बार भी उनके घर पर तैयारियां जोरों पर हैं और कई अभिनेत्रियां पारंपरिक परिधानों में पहुंच रही हैं। दिन आगे बढ़ने के साथ सितारों की ओर से और तस्वीरें व वीडियो साझा किए जाने की उम्मीद है। फिलहाल,शिल्पा शेट्टी की गुलाबी साड़ी,मीरा राजपूत का बेज लुक और प्रियंका चोपड़ा की खास मेहंदी करवाचौथ की चर्चाओं में छाई हुई है।

केबीसी 18 में रणबीर की रोमांटिक यादें

शेरों के बीच आलिया को किया था प्रपोज बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 में अपनी पत्नी आलिया भट्ट को दिए गए रोमांटिक प्रपोजल के पीछे की कहानी बताई। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अफ्रीका के मसाई मारा में इस खास पल की योजना बनाई थी। उन्होंने अपने गाइड और ड्राइवर को पहले ही बता दिया था कि वे जंगल के बीच में गाड़ी रोक दें, ताकि वे प्रपोजल की तस्वीरें ले सकें- क्योंकि उन्हें पता था कि आलिया को इंस्टाग्राम के लिए तस्वीरें खिंचवाना कितना पसंद है। रणबीर ने कहा,मैंने अपने गाइड और ड्राइवर को पहले ही बता दिया था कि वे जंगल के बीच में कहीं गाड़ी रोक दें। मैं एक अंगूठी लेकर गया था, ताकि मैं घुटनों के बल बैठकर प्रपोज कर सकूं और वे दूर से तस्वीरें ले सकें। उन्होंने आगे कहा,क्योंकि लड़कियों को तस्वीरें खिंचवाने और उन्हें इंस्टाग्राम पर डालने का बहुत शौक होता है।+ उस पल को याद करते हुए रणबीर ने बताया कि जब वे घुटनों के बल बैठकर प्रपोज कर रहे थे,तब पास में ही शेर मौजूद थे। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने इस पर मजेदार टिप्पणी करते

हुए कहा, कोई सबूत तो होना चाहिए। इसके बाद रणबीर ने उस यादगार पल का जिक्र करते हुए कहा,वहां से लगभग 100 मीटर की दूरी पर तीन शेर थे,और मेरी शेरनी मेरे सामने खड़ी थी, जबकि मैं एक चूहे की तरह घुटनों के बल बैठकर पूछ रहा था-क्या तुम मुझसे शादी करोगी?+ रणबीर ने इसे अपनी जिंदगी का एक अद्भुत पल बताया, जिसे वे हमेशा याद रखेंगे। रणबीर और आलिया की सगाई केन्या के मसाई मारा में हुई थी, जहां इस ट्रिप के दौरान रणबीर ने आलिया को एक रोमांटिक प्रपोजल देकर सरप्राइज कर दिया था। इस जोड़े ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई में अपने घर वास्तु में एक निजी समारोह में शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। उसी साल 6 नवंबर को उनके घर पहली संतान, एक बेटी का जन्म हुआ,जिसका नाम राहा रखा गया। आलिया ने 24 नवंबर को सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के नाम की घोषणा की और बताया कि यह नाम रणबीर की मां, दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने चुना था। राहा नाम के अलग-अलग भाषाओं में कई अर्थ हैं, जिनमें आनंद,शांति,आराम और खुशी शामिल हैं।

खेल- समाचार

तनुष ने मुंबई को दिलाई जीत



भारत को मिल गया अश्विन का विकल्प?

मुंबई,29 अक्टूबर 2026। भाषा रणजी ट्रॉफी 2026 में हरियाणा के खिलाफ मैच में तनुष कोल्यान ने अपने करियर का बेस्ट स्पेल फेंका। उन्होंने 81 रन देकर 8 विकेट लिए और मुंबई को 10 विकेट से जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। इस बड़ी जीत के दम पर मुंबई ने बोनास अंक हासिल किया है। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी रुप डी के मैच में हरियाणा को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनास अंक हासिल किया। मुंबई ने लगातार तीसरे मैच में बोनास अंक हासिल किया। उसके सामने केवल 97 रन का लक्ष्य था। सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी (नाबाद 67) और दिव्यनिा सक्सेना (नाबाद 30) ने केवल 10.4 ओवर मुंबई को लक्ष्य तक पहुंचा दिया और उसे सात अंक दिलाए। इससे पहले मुंबई ने चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के खिलाफ भी बोनास अंक के साथ जीत हासिल की थी।मुंबई ने अपनी पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा 270 रन ही बना पाया था और उसे फॉलोऑन का सामना करना पड़ा। हरियाणा ने गुरुवार सुबह अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 73 रन से आगे बढ़ाई और कुल 256 रन बनाए। निशांत सिंधु (44), सामंत जाखर (40) और अनुज ठकारल (नाबाद 40) ही धीमी पिच पर कुछ रन बना पाए। इनके अलावा टीम का कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका।

भारत को मिल गया अश्विन का विकल्प

तनुष कोल्यान घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छ प्रदर्शन कर रहे हैं। वह गेंद के साथ कमाल करने के साथ ही बल्ले के साथ भी उपयोगी पारियां खेलने में सक्षम हैं।

स्नूकर चैंपियनशिप में शोएब खान का धमाका,दो खिताब जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली,29 अक्टूबर 2026। दिल्ली में आयोजित 49वीं दिल्ली स्टेट 15-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में शोएब खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी सफलता हासिल की है। उन्होंने रोमांचक फाइनल मुकाबले में दिव्यांशु शर्मा को 4-2 से हराकर 15-रेड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले शोएब खान 6-रेड स्नूकर का खिताब भी जीत चुके थे। इस तरह उन्होंने दो अलग-अलग प्रारूपों में खिताबी जीत दर्ज करते हुए डबल क्राउन अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि को दिल्ली के स्नूकर जगत में महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है।यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व अध्यक्ष राजा रणधीर सिंह की स्मृति में आयोजित की गई। दिल्ली बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन (डीबीएसए) की ओर से आयोजित इस चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी क्षमता, एकाग्रता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ.ग.ग	न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,	न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा.प्र.क्र./अ- 20(1)/2026-27	रा.प्र.क्र./अ- 20(1)/2025-26	रा.प्र.क्र./अ- 20(1)/2025-26
ईशतहार	ईशतहार	ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश्वर प्रसाद कुशवाहा आ। डब्लू राम कुशवाहा निवासी किलकारी हास्पिटल के पास तक्रिया रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग0ग के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4998/48 रकबा 0.024 हे0 मेसे 962 वर्गफीट भूमि को अनावेदक सिमरन सिंह पंडी मनोष सिंह निवासी हाईस्कूल के पीछे रिंग रोड बौरापाय अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग0ग के पास विक्री करने का सीधा तय कर विक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिपाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।	एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती शायरा खान आ0/ पति गुलशेर खान जाति निवासी मोमिनपुरा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग0ग के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला परांडा, शीट नम्बर - 8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2484/60 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक- 26.10.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।	एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका गुलशेर खान आ0/पति नसीरुद्दीन खान जाति, निवासी मोमिनपुरा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग0ग के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला - परांडा, शीट नम्बर - 8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2484/53 रकबा 0.08 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक- 26.10.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।
सील	नजूल अधिकारी ,अम्बिकापुर	सील
तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा		नजूल अधिकारी ,अम्बिकापुर

जाह्नवी कपूर कब लेंगी सात फेरे?

तीन ब्रेकअप के बाद भी रिश्तों पर भरोसा कायम

कांफी विद करण' में जाह्नवी कपूर ने अपनी शादी की योजनाओं पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि अगले दो-तीन साल तक शादी का इरादा नहीं है और अपनों के रिश्तों पर भी अपनी राय रखी।

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में वह अभिनेता वरुण धवन के साथ करण जोहर के चर्चित चैट शो 'कांफी विद करण' के नौवें सीजन में पहुंचीं। 28 अक्टूबर को प्रसारित हुए इस एपिसोड में अर्जुन कपूर भी खास मेहमान के तौर पर शामिल हुए। शो के दौरान सितारों के बीच खूब हंसी-मजाक हुआ और बातचीत उनकी निजी जिंदगी,रिश्तों और शादी तक पहुंची। इस दौरान जाह्नवी कपूर ने अपनी शादी की योजनाओं को लेकर ऐसा जवाब दिया,जिसने सबका ध्यान खींचा। अभिनेत्री ने साफ कर दिया कि फिलहाल उनका शादी करने का कोई इरादा नहीं है और इसके लिए फैस को अभी कुछ साल और इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं अपने करीबी लोगों के रिश्तों और मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देने को लेकर भी जाह्नवी ने खुलकर बात की।

अगले दो-तीन साल तक शादी का कोई इरादा नहीं

करण जोहर अपने शो में मेहमानों की निजी जिंदगी से जुड़े सवाल पूछने के लिए जाने जाते हैं। जाह्नवी कपूर के साथ बातचीत के दौरान भी उन्होंने अभिनेत्री की शादी की योजना जानने की कोशिश की। करण ने उनसे पूछा कि वह शादी कब करने वाली हैं, तो जाह्नवी ने बिना किसी उलझन के जवाब दिया कि अगले दो से तीन साल तक शादी की कोई संभावना नहीं है। अभिनेत्री ने कहा,अगले 2-3 साल तक तो पक्का नहीं। यानी कम से कम अगले दो-तीन साल तक वह शादी नहीं करने वाली हैं। जाह्नवी के इस जवाब से साफ है कि फिलहाल वह अपनी जिंदगी के इस बड़े फैसले को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने शादी के लिए कोई निश्चित समय या भविष्य की योजना साझा नहीं की। उनके इस बयान के बाद उनके चाहने वालों के बीच अभिनेत्री की निजी जिंदगी को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है।

शिखर पहाड़िया के साथ रिश्ते को लेकर होती रही है चर्चा

जाह्नवी कपूर का नाम लंबे समय से शिखर पहाड़िया के साथ जोड़ा जाता रहा है। दोनों कई मौकों पर साथ नजर आए हैं और उनके रिश्ते को लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती हैं। हालांकि जाह्नवी ने इस एपिसोड में शिखर के साथ शादी की किसी तारीख या तैयारियों की घोषणा नहीं की। ऐसे में शादी को लेकर उनका जवाब फिलहाल उनकी निजी योजनाओं पर ही केंद्रित रहा। अभिनेत्री अपने काम और फिल्मों के साथ व्यस्त हैं और उन्होंने यह स्पष्ट किया कि शादी के लिए कम से कम दो-तीन साल का समय है। करण जोहर के शो में उनके इस जवाब ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि जाह्नवी अपने रिश्ते को अगले पड़ाव तक कब ले जाएंगी। फिलहाल, इस बारे में अभिनेत्री की ओर से कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी गई है।

ब्रेकअप के दौर में अपनों को संभालने पर भी की बात

शो में बातचीत के दौरान करण जोहर ने जाह्नवी के आसपास हुए कुछ ब्रेकअप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके परिवार और दोस्तों के दायरे में कई रिश्तों में अलगाव देखने को मिला है, लेकिन इसके बावजूद सभी ने एक-दूसरे का साथ बनाए रखा। करण की इस टिप्पणी पर जाह्नवी ने बताया कि वे लोग अपनी-अपनी निजी पेशानियों के बीच भी एक-दूसरे को संभालते रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे इस मामले में काफी अच्छे हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे को सहारा देना जानते हैं। जाह्नवी की यह बात उनके करीबी रिश्तों और दोस्तों के साथ उनके जुड़ाव को दिखाती है। फिल्मी दुनिया की व्यस्त जिंदगी के बीच निजी रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना आम है, लेकिन जाह्नवी के मुताबिक उनके करीबियों ने एक-दूसरे की पेशानियों को समझने और उनसे उबरने में मदद की।

खुशी कपूर और वेदांग रैना को लेकर भी दिया जवाब

करण जोहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए जाह्नवी से उनके करीबियों को डेंटिंग के मामले में सलाह देने के लिए कहा। उन्होंने अभिनेत्री से पूछा कि वह वेदांग रैना और अपनी बहन खुशी कपूर को क्या सलाह देना चाहेंगी। इस पर जाह्नवी ने वेदांग को जरूरत से ज्यादा सोचने की आदत छोड़ने की सलाह दी। वहीं खुशी कपूर के लिए उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उनकी बहन को अब किसी सलाह की जरूरत है। जाह्नवी के जवाबों में बहन के प्रति अपनापन और दोस्तों के साथ सहजता नजर आई। बातचीत के इस हिस्से में उन्होंने किसी गंभीर टिप्पणी के बजाय हल्के-फुल्के अंदाज में अपने विचार रखे। शो में इस तरह के सवालों ने जाह्नवी की निजी जिंदगी और उनके करीबी लोगों के साथ रिश्तों की झलक पेश की।

वरुण धवन ने भी रिश्तों पर रखी अपनी राय

इसी एपिसोड में वरुण धवन से भी उनकी निजी जिंदगी और पुराने रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। करण जोहर ने उनसे पूछा कि क्या वह अपने पूर्व पार्टनर्स से मिलना सहज मानते हैं। इस पर वरुण ने कहा कि वह शादीशुदा हैं और अब दूसरे लोग क्या करना चाहते हैं,यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी मौजूदा जिंदगी में खुश हैं। वरुण का जवाब उनकी वर्तमान जिंदगी पर केंद्रित रहा। 'कांफी विद करण' का नौवां और अंतिम सीजन जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड हर बुधवार शाम सात बजे जारी किए जाते हैं। इस एपिसोड में जाह्नवी कपूर का शादी को लेकर स्पष्ट जवाब और निजी रिश्तों पर उनकी बातें चर्चा का अहम हिस्सा रहें।



ऑकलैंड में फिर गरजेगी टीम इंडिया

ऑकलैंड,29 अक्टूबर 2026। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार, 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ऐतिहासिक ईडन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम लगातार चौथी जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, मेजबान न्यूजीलैंड के सामने अपनी प्रतिष्ठा बचाने और सीरीज में क्वाइडपेश के खतरे को टालने की चुनौती होगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम ने सीरीज के शुरुआती तीनों मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को हराया

है। बल्लेबाजी में आक्रमक रवैया और लक्ष्य का तेजी से पीछा करने की क्षमता भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में भारतीय बल्लेबाजों ने लगातार बड़े लक्ष्य हासिल करके मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने मुश्किलें पैदा की हैं। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने भी कई अवसरों पर बड़े स्कोर बनाए हैं, लेकिन गेंदबाजी विभाग उम्मीदी के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

एक नवंबर को खेला जाएगा

आखिरी मुकाबला

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पांचवां और अंतिम टी20 मुकाबला रविवार, 1 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज शुरू होगी।यदि भारत ऑकलैंड में भी जीत दर्ज करता है, तो उसके पास अंतिम मैच में पांचों मुकाबले जीतकर सीरीज का क्लीन स्वीप करने का अवसर होगा। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम चौथे मुकाबले में जीत हासिल करके इस संभावना को समाप्त करना चाहेगी।भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला अपनी जीत की लय बनाए रखने के साथ युवा खिलाड़ियों की क्षमताओं को परखने का अवसर है।

कार्यालय नगर पालिक निगम,अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक 4188/न.पा.नि./रा.वि./26-27-अम्बिकापुर दिनांक 28/10/2026

-ई-ऑक्शन सूचना :-

निकाय क्षेत्रतर्नाप्त गांधीनगर स्थित तरणताल भवन के प्रथम तल पर निर्मित हॉल को मासिक किराये पर दिदे जाने हेतु (System Tender No. 202958) हेतु ऑनलाई निविदा आमंत्रित की गई है। विस्तृत निविदा सूचना छ. ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
पालिक निगम,अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ में नेताओं की सुरक्षा घटेगी, सालाना 150 करोड़ खर्च गृह मंत्री बोले...फैसला हो चुका,धीरे-धीरे लागू होगा,बैज ने कहा-जल्दबाजी न करें

रायपुर,29 अक्टूबर 2026। नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा होने के बाद छत्तीसगढ़ में अब नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा कम करने की तैयारी है। गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सुरक्षा घटाने का फैसला हो चुका है और अब अंतिम सूचना जारी होना बाकी है। सरकार एक साथ पूरी सुरक्षा हटाने के बजाय चरणबद्ध तरीके से सुरक्षा का स्तर कम करेगी। दूसरी ओर,पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सुरक्षा घटाने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। यदि किसी जनप्रतिनिधि के साथ कोई घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। बता दें कि प्रदेश में करीब 400 नेताओं की सुरक्षा में 1550 से ज्यादा पुलिसकर्मी और 500 से अधिक वाहन लगे हैं। इनकी तैनाती और वाहनों पर हर साल करीब 150 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। अकेले बस्तर में 250 से ज्यादा नेताओं की सुरक्षा में 1000 से ज्यादा जवान तैनात हैं। इन पर सालाना करीब 100



करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। देश में जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य है, जहां नेताओं की सुरक्षा में सबसे ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं।

विजय शर्मा बोले- धीरे-धीरे की जाएगी कटौती : गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 31 मार्च 2026 को डेडलाइन के साथ

सशस्त्र नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसके तुरंत बाद नेताओं की सुरक्षा पूरी तरह हटा देना उचित नहीं होता। इसलिए 6 महीने तक सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और निगरानी की गई। उन्होंने बताया कि अब सुरक्षा का स्तर एक ग्रेड कम किया गया है। जिन लोगों को जेड+ सुरक्षा मिली थी,

घटना हुई तो सरकार जिम्मेदार होगी : बैज
पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा कम कर रही है,तो उसे उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। कुछ नक्सली अब भी मौजूद हैं और दबाव के कारण दूसरे राज्यों में चले गए हों,लेकिन भविष्य में खतरा पूरी तरह खत्म हो जाएगा,इसकी गारंटी नहीं है। बैज ने कहा कि कांग्रेस भी चाहती है कि नक्सलवाद दोबारा पैर न पसारे, लेकिन सुरक्षा कम करने से पहले दोबारा आकलन किया जाना चाहिए। बस्तर के जनप्रतिनिधियों और नेताओं को अंदरूनी इलाकों में जाना पड़ता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा घटाने का फैसला जल्दबाजी में नहीं होना चाहिए। उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं को अतिरिक्त सुरक्षा दी गई,जबकि कांग्रेस नेताओं को वैसी सुरक्षा नहीं दी गई थी। लेकिन हमने उसका विरोध नहीं किया था। मेरा मानना है कि सुरक्षा को हटाने के निर्णय में सरकार जल्दबाजी कर रही है।

उन्हें जेड श्रेणी में किया गया है। जेड श्रेणी वालों की सुरक्षा वाई+ और वाई+ श्रेणी वालों की सुरक्षा वाई श्रेणी में की गई है। आने वाले 6 महीने में फिर एक ग्रेड की कटौती की जाएगी। इस तरह सुरक्षा व्यवस्था को धीरे-धीरे कम किया जाएगा।

बस्तर में 250 से ज्यादा नेताओं की सुरक्षा में 1000 जवान तैनात : नक्सल प्रभावित बस्तर में लंबे समय से नेताओं की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, यहां 250 से ज्यादा नेताओं की सुरक्षा में 1000 से

अधिक जवान लगे हैं। इनके वेतन और वाहनों पर सालाना करीब 100 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। पूरे छत्तीसगढ़ में करीब 400 नेताओं की सुरक्षा में 1550 से ज्यादा पुलिसकर्मी और 500 से अधिक वाहन तैनात हैं। इन पर हर साल करीब 150 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। नक्सल खतरे के कारण बस्तर में छोटे नेताओं को भी वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। वहीं, कुछ बड़े नेताओं और उनके परिवारों को जेड+ जैसी उच्च श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है।

पुलिस में 20 हजार से ज्यादा पद खाली

राज्य में पुलिसकर्मियों के करीब 84 हजार पद स्वीकृत हैं,लेकिन इनमें 20 हजार से ज्यादा पद लंबे समय से खाली हैं। वहीं दूसरी तरफ 1550 से ज्यादा जवान नेताओं की सुरक्षा में तैनात हैं।

ईओडब्ल्यू-एसीबी से 12 कर्मचारी हटाए गए

7 इंस्पेक्टर,1 सब-इंस्पेक्टर और 3 कॉन्स्टेबल को गृह विभाग भेजा गया,सामान्य प्रशासन विभाग ने जटी किया आदेश



रायपुर,29 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और एंटी कार्गन ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर तैनात 12 अधिकारी-कर्मचारियों को गृह विभाग में वापस भेज दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इनमें 7 इंस्पेक्टर,1 सब-इंस्पेक्टर,1 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और 3 आरक्षक शामिल हैं। हालांकि,आदेश में इन्हें वापस भेजने की वजह नहीं बताई गई है। साथ ही,यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन अधिकारी-कर्मचारियों की आगे कहां पदस्थापना की जाएगी।

इन्हें भेजा गया मूल विभाग

- विरेन्द्र चंद्रा - निरीक्षक
- बृजेश कुशवाहा - निरीक्षक
- उमेश टंडन - निरीक्षक
- सौरभ द्विवेदी - निरीक्षक
- निर्भय लाल धुव - सहायक उप निरीक्षक
- अभिषेक कुमार-आरक्षक
- शरद चंद्रा - निरीक्षक
- संतराम सोनी - निरीक्षक
- पौरुष पुरे - निरीक्षक
- जितेन्द्र नंदे - उप निरीक्षक
- रितेश दीवान -आरक्षक
- सोहन धुव - आरक्षक

रायपुर कमिशनरेट में 29 पुलिसकर्मियों के तबादले,कई थानों का स्टाफ बदला

रायपुर,29 अक्टूबर 2026। राजधानी रायपुर में पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। रायपुर कमिशनरेट की ओर से जारी आदेश के अनुसार,29 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना बदली गई है। इनमें एसआई,एसआई हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल शामिल हैं। आदेश के तहत सभी को नई जगह पदस्थ किया गया है। तबादलों में खमतराई, डीडी नगर,सिविल लाइन,आमानाका,खह्मरडीह,सरस्वती नगर,गुडियारी,कोतवाली, टिकरापारा,तेलीबांधा और राजेंद्र नगर सहित कई थाने शामिल हैं। इसके अलावा महिला थाना,यातायात विभाग,कंट्रोल रूम और रक्षित केंद्र में भी नई तैनाती की गई है।

रायपुर में लगातार बारिश...दिन का तापमान 22 डिग्री पहुंचा,चक्रवात अर्नब के असर से फसलों को भारी नुकसान,कांग्रेस ने की मुआवजे की मांग



रायपुर,29 अक्टूबर 2026। राजधानी रायपुर में गुरुवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। चक्रवात अर्नब के असर से आसमान में बादल छाए हैं। ठंडी हवाओं के साथ हो रही बारिश से दिन के तापमान में गिरावट आई है। बारिश के कारण बाजारों में लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं,कई इलाकों में बिजली सप्लाई भी बाधित रही। मौसम विभाग के अनुसार,रायपुर में दिन का तापमान 22 डिग्री पर बना हुआ है। इधर,बारिश और तेज हवाओं से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। किसान नेता पारसनाथ साहू ने आरंग के ग्राम भिलाई का वीडियो जारी कर फसल को हुए नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खेतों में करीब 9 इंच से एक फीट तक पानी भर गया है। धान पूरी तरह पक भी नहीं पाया था कि बारिश और तेज हवाओं के कारण खड़ी फसल जमीन पर लेट गई। इससे धान के दाने खराब होने और फसल के सड़ने की आशंका है।

दीपक बैज ने की मुआवजा देने की मांग...

वहीं,अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चक्रवात के असर से छत्तीसगढ़ में बस्तर से सरगुजा तक आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हो रही है। इस समय किसानों की धान की फसल खेतों में तैयार है। कई किसानों ने कटाई शुरू कर दी है। जबकि कुछ की फसल कटकर खेतों में रखी हुई है। लगातार बारिश से कटी हुई धान की फसल भीग रही है। वहीं,खेतों में पानी भरने और तेज हवा चलने से खड़ी फसल गिरने के कारण भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को बारिश से प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वे कराना चाहिए। नुकसान के आकलन के आधार पर मुआवजे का ऐलान करना चाहिए। करीब एक महीने पहले बाढ़ के कारण बस्तर सहित कई इलाकों में लाखों हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई थी।

दुर्ग में आज आएंगे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा..भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ’ पदयात्रा में होंगे शामिल,एक किलोमीटर चलेंगे पैदल

दुर्ग-भिलाई,29 अक्टूबर 2026। दुर्ग में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा 30 अक्टूबर को पदयात्रा निकालेगी। ‘लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ’ कार्यक्रम के तहत इस पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जनत प्रकाश नड्डा शामिल होंगे। पदयात्रा की तैयारी के लिए दुर्ग में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में वन मंत्री केदार कश्यप समेत भाजपा के अन्य नेता भी मौजूद रहे। इस दौरान सांसद विजय बघेल ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची का सही और अपडेट होना जरूरी है। एसआईआर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर लोगों में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। कार्यक्रमतां



आम लोगों तक सही जानकारी पहुंचाएं, ताकि निर्वाचन व्यवस्था पर उनका भरोसा बना रहे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर जोर
भाजपा विधायक रिकेश सेन ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची का सही और पारदर्शी होना जरूरी है। हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल होना चाहिए। वहीं,अपात्र प्रविष्टियों को तय नियमों के अनुसार हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर कहीं कोई भ्रम या गलतफहमी हो तो कार्यकर्ता सही जानकारी देकर उसे दूर करें। पदयात्रा की तैयारियों में आपसी तालमेल बनाए रखने और तय जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने पर भी जोर दिया गया।
जनभागीदारी बढ़ाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को सौंपी
बीजेपी नेताओं ने बताया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोगों में जागरूकता और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति विश्वास जरूरी है। एसआईआर से जुड़ी सही जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है। उन्होंने सभी से मिलकर और सक्रियता के साथ काम करने की अपील की।
अक्टूबर को होने वाली पदयात्रा को सफल बनाने की अपील की। पदयात्रा दोपहर 3 बजे महेश कॉलोनी में सभा के बाद शुरू होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री भी शामिल होंगे। पदयात्रा महेश कॉलोनी से महेश चौक तक करीब 1 किलोमीटर निकाली जाएगी।

इंदौर के कॉल सेंटर से साइबर ठगी,5 गिरफ्तार खाता होल्ड हुआ तो आरोपी ने खुद की शिकायत,जांच में न्यूल अकाउंट-सिम कार्ड से खुला राज

रायगढ़,29 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में शेर ट्रेडिंग के नाम पर डॉक्टर से 34.17 लाख रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने इंदौर से तीन युवतियों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि इंदौर के एक कॉल सेंटर से साइबर ठगी का नेटवर्क चल रहा था। गिरोह के लोग म्यूल बैंक अकाउंट और सिम कार्ड के जरिए ठगी की रकम का लेनदेन करते थे। आरोपियों में शामिल रायगढ़ के सूरज शर्मा ने अपने बैंक खाते में सूरज रकम आने और अकाउंट होल्ड होने की शिकायत खुद साइबर थाने में की थी। जांच में उसके खाते के जरिए ठगी की रकम के लेनदेन और कमीशन मिलने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। जांच में यह भी पता चला है कि साइबर ठगी के लिए 140 से 150 सिम कार्ड उपलब्ध कराए गए थे। पुलिस



अब इस नेटवर्क से जुड़े दूसरे लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सोनकरपारा के डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा ने 27 मई, 2026 को साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में मोबाइल फोन के जरिए उनकी पहचान सुनील नाम के व्यक्ति से हुई थी। उसने शेर ट्रेडिंग में निवेश करने पर ज्यादा मुनाफा मिलने का लालच दिया और स्पॉटन ट्रेड कंपनी में पैसा लगाने के लिए कहा। आरोपी ने डॉक्टर को वॉट्सऐप पर कंपनी का पोर्टफोलियो भी भेजा। इसे देखकर डॉक्टर को भरोसा हो गया कि उन्हें पैसा लगाने पर अच्छा रिटर्न मिलेगा। इसके बाद 28 अप्रैल 2025 से 3 अप्रैल 2026 के बीच डॉक्टर से कुल 34 लाख 17 हजार 531 रुपए निवेश कराए गए। डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि कुछ अन्य लोग भी उनसे फोन पर संपर्क करते थे और अलग-अलग समय पर निवेश करने के लिए कहते थे।

पोर्टफोलियो में मुनाफा दिखा, लेकिन पैसा नहीं मिलता : डॉक्टर को कंपनी के पोर्टफोलियो में लगातार बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया जाता रहा। इससे उन्हें लगता रहा कि उनकी रकम बढ़ रही है। लेकिन जब उन्होंने अपना पैसा निकालने की कोशिश की, तो रकम नहीं निकली। इसके बाद भी उसने और पैसा लगाने के लिए कहा जाने लगा। तब उन्हें ठगी का शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।
पुलिस को गुनहम करने के लिए कूट की शिकायत : जांच के दौरान पुलिस को एक दूसरे मामले की जानकारी मिली। 27 सितंबर 2026 को रायगढ़ के परागाली स्थित हिल व्यू कॉलोनी के सूरज शर्मा ने साइबर पुलिस थाने में आवेदन दिया था। उसने बताया कि उसके पंजाब नेशनल बैंक खाते में 12 दिसंबर 2025 से 7 जनवरी 2026 के बीच 18 बार में कुल 2 लाख 97 हजार 298 रुपए का लेनदेन हुआ था। रकम मिलने और नकद निकालने के बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और पंजाब में शिकायतें दर्ज हुईं।

बालोद में 13 साल की बच्ची से गैंगरेप पेन खरीदने निकली,रात में बेहोश मिली,12 दिन बाद मां को बताई आपबीती,3 आरोपी हिरासत में

बालोद,29 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में 13 साल की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि 14 अक्टूबर की शाम पेन खरीदने निकली बच्ची को गांव के दो लड़के डराकर एक घर में ले गए और तीसरे युवक को भी बुला लिया। तीनों पर बच्ची के साथ जबरदस्ती करने का आरोप है। उसी रात बच्ची बेहोशी की हालत में एक परिचित के घर मिली थी। डरी-सहमी बच्ची ने 26 अक्टूबर को मां को आपबीती बताई। इसके बाद 27 अक्टूबर को मां ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबन्धित धाराओं में केस दर्ज कर तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लिया है। मामला रनचिहई थाना क्षेत्र का है।

दुकान जा रही कहकर घर से निकली : शिकायत के अनुसार,पीड़िता गांव के सरकारी पूर्व माध्यमिक स्कूल में कक्षा आठवीं की छात्रा है। 14 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे वह पेन खरीदने के लिए दुकान जाने की बात कहकर घर से निकली थी। रात 8 बजे तक वापस नहीं लौटने पर परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की,लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद रात करीब 11 बजे परिवार को



सूचना मिली कि गांव के कुछ युवक बच्ची को एक परिचित के घर बेहोशी की हालत में लेकर आए हैं। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे गुंडादेही अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक इलाज के बाद अगले दिन उसे घर लाया गया।

12 दिन बाद मां को बताई आपबीती : घर लौटने के बाद से बच्ची डरी-सहमी और गुमसुम रहने लगी थी। परिजनों के लगातार पूछने पर 26 अक्टूबर को उसने मां को आपबीती बताई। आरोप के मुताबिक,तीन युवक उसे एक मकान की पहली मंजिल पर बने कमरे में ले गए और दरवाजा बंद कर उसके साथ जबरदस्ती की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां 27 अक्टूबर को परिजनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ रनचिहई थाने पहुंची।

पत्नी की आत्महत्या मामले में डॉक्टर पति को 3 साल की सजा हाईकोर्ट ने 10 दिसंबर तक सरेंडर करने का दिया आदेश

बिलासपुर,29 अक्टूबर 2026। हाईकोर्ट ने डॉक्टर पति को पत्नी की आत्महत्या के लिए दोषी पाया है। साक्ष्यों और बच्चों के बयान के आधार पर कोर्ट ने तीन साल कठोर कारावास की सजा देते हुए सिंगल बेंच ने कहा कि पति के अवैध संबंधों और लगातार दी जा रही शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के कारण पत्नी ने यह कदम उठाया। डॉक्टर पहले ही एक साल, दो महीने और 14 दिन जेल में बिता चुका है। कोर्ट ने इस अवधि को सजा में समायोजित करने का आदेश दिया। शेष सजा भुगतने के लिए डॉक्टर को 10 दिसंबर 2026 तक ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर करने का निर्देश कोर्ट ने दिया है। चिकित्सक के अधिवक्ता ने सुनवाई के दौरान दलील दी थी कि डॉक्टर की उम्र करीब 50 वर्ष है। परिवार की जिम्मेदारी उठाने पर है। अपीलकर्ता मृतका के भाई आशीष नाथ के अधिवक्ता ने सजा कम करने का विरोध करते हुए कहा कि डॉक्टर ने महिला को प्रताड़ित किया,जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली इसलिए उन्हें अधिकतम सजा दी जानी चाहिए। राज्य शासन ने भी इस दलील का समर्थन किया। हाईकोर्ट ने अपराध की गंभीरता और इसी घटना से जुड़े भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के मामले में डॉक्टर की दोषसिद्धि



को ध्यान में रखा। उस मामले में उसको तीन साल की सजा सुनाई गई थी। बता दें कि बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली रश्मि प्रकाश ने सजा देते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के भाई आशीष नाथ ने सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी कि पति डॉ. संजय प्रकाश की हिंसा और प्रताड़ना के कारण उनकी बहन ने आत्महत्या की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 28 जुन 2016 को दिए गए फैसले में आरोपी डॉक्टर को धारा 498-ए (पति या रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) के तहत 3 साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी थी। इस सजा के खिलाफ डॉक्टर ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

बच्चों की गवाही बनी अहम साक्ष्य

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान मृतका के बेटा, बेटी समेत माता-पिता के बयान को परखा। बच्चों ने बताया कि उनके पिता डॉ. संजय प्रकाश का वक्तोवक्त में काम करने वाली एक नर्स के साथ अवैध संबंध था। मां ने इनका विरोध किया तो पिता ने उन्हें पहले चाबी फेंककर मारा, इसके बाद बेहमी से पिटाई की। यह भी खुलासा किया कि मां को पानी में घोलकर भारी मात्रा में नींद की गोलीयां दे दी थीं, जिससे उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना के ठीक एक दिन पहले ही मां के साथ मारपीट की थी। धमकी दी थी कि वह मां को तलाक देकर नर्स से शादी करेगा।